“ सुविचार
आप में कितनी भी प्रतिभा क्यों न हो, प्रयास और अभ्यास के बिना सब व्यर्थ है ! ”

दैनिक
बिहार पत्रिका
सच के साथ

पटना से प्रकाशित
अंक: 260
वर्ष : 06
मूल्य : 02
पृष्ठ : 04

बुधवार, 26 फरवरी 2025 | दैनिक हिन्दी डिजिटल अखबार | web_dainikbiharpatrika.com

राजद की सदस्यता अभियान समीक्षा बैठक: चुनावी तैयारियों को लेकर गूंजे राजनीतिक मुद्दे

खगड़िया में राजद नेताओं की अहम बैठक, आगामी चुनाव को लेकर बनाई रणनीति

बिहार पत्रिका।खगड़िया

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सदस्यता अभियान की समीक्षा को लेकर सोमवार को खगड़िया जिला कार्यालय, कृष्णापुरी बलुआही में एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राजद जिलाध्यक्ष मनोहर कुमार यादव ने की, जबकि संचालन जिला प्रधान महासचिव नंदलाल मंडल द्वारा किया गया। बैठक में राजद जिला प्रभारी सह प्रदेश महासचिव धनिकलाल मुखिया विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान पूर्व प्रमुख नरेश कुमार बादल को जिला उपाध्यक्ष, जबकि अरविंद कुमार सिंह को जिला कार्यकारिणी सदस्य के रूप में मनोनीत कर प्रमाण पत्र सौंपा गया। साथ ही, एससी-एसटी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष शशि पासवान को सदस्यता अभियान में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

6 मार्च को पटना में होगी प्रदेश स्तरीय समीक्षा बैठक

राजद प्रदेश महासचिव धनिकलाल मुखिया ने कहा कि 06 मार्च को पटना में प्रदेश स्तरीय समीक्षा बैठक होगी, जिसमें सदस्यताअभियान और आगामी चुनावी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प

बैठक में उपस्थित नेताओं ने कहा कि राजद का सदस्यता अभियान जोर पकड़ रहा है और सभी वर्गों के लोग उत्साहपूर्वक पार्टी से जुड़ रहे हैं। राजद नेताओं ने तेजस्वी यादव की 17 महीने की सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए आगामी चुनाव में पार्टी को मजबूत बनाने पर बल दिया।

तेजस्वी यादव के वादे:-

✓ **गैस सिलेंडर की कीमत 500 रुपये होगी।**
✓ **गरीब परिवार के प्रत्येक सदस्य को 10 किलो अनाज मिलेगा।**
✓ **महिलाओं को माई बहन योजना के तहत 2500 रुपये प्रतिमाह दिया जाएगा।**
✓ **वृद्धा, विधवा और दिव्यांग पेंशन को 1500 रुपये किया जाएगा।**

सरकार पर तीखा हमला, पीएम मोदी से पूछे सवाल

बैठक में मौजूद नेताओं ने एनडीए सरकार पर विफलता का आरोप लगाते हुए कई सवाल खड़े किए:

➡ **किसानों की आय 2022 तक दोगुनी करने का वादा किया गया था, लेकिन क्या हुआ?**
➡ **बिहार को विशेष राज्य का दर्जा अब तक क्यों नहीं मिला?**
➡ **बेरोजगारी और पलायन रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए?**
➡ **बिहार की चीनी मिलें, जूट मिलें और टेक्सटाइल पार्क क्यों नहीं शुरू किए गए?**
➡ **जातिगत जनगणना कराने से सरकार क्यों बच रही है?**

राजद नेताओं का संकल्प: 2025 में सत्ता में वापसी का दावा

राजद नेताओं ने बैठक के दौरान संकल्प लिया कि आगामी चुनाव में तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत किया जाएगा। इस अहम बैठक में पंचायतीराज प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सुबोध यादव, प्रदेश सचिव राजेश यादव, राजद कार्यकारिणी सदस्य मीरा सिंह, जिला उपाध्यक्ष प्रमोद यादव, जिला प्रवक्ता चंद्रशेखर कुमार, राजद नेता रंजीत साह, जिला महासचिव लड्डू रजक, नारद यादव, जिला सचिव शकलदीप यादव, युवा राजद जिलाध्यक्ष उदय यादव, नगर निकाय प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष विजय यादव, पंचायतीराज प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष राजकिशोर राज, स्वच्छता श्रमिक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष राजा मलिक, कला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष अंकित बाबू, खगड़िया प्रखंड अध्यक्ष सुनील चौरसिया, गोगरी प्रखंड अध्यक्ष राकेश कुमार, अलौली प्रखंड अध्यक्ष महेंद्र राम, युवा जिला उपाध्यक्ष शशि पासवान, अनुज कुमार यादव, सुमित कुमार, चंदन पासवान, सहित दर्जनों राजद कार्यकर्ता और नेता मौजूद रहे।

ग्रामीणों के दबाव में तिलडीहा के यात्री शेड में रचाई प्रेमी युगल की शादी

इंटरनेट मीडिया पर हुआ प्यार, घरवालों के इंकार के बाद ग्रामीणों ने कराई शादी

शंभूगंज (बांका)।इंटरनेट मीडिया पर शुरू हुई प्रेम कहानी का अंत शादी के बंधन में बंधकर हुआ, लेकिन यह शादी किसी मंदिर या घर में नहीं, बल्कि ग्रामीणों के दबाव में तिलडीहा के यात्री शेड में संपन्न हुई। बिरनौधा निवासी कपलेश्वर मंडल के पुत्र रंजन कुमार और केशोपुर महादलित बस्ती निवासी जोगेंद्र दास की पुत्री लक्ष्मी कुमारी के बीच इंटरनेट मीडिया के जरिए प्यार हुआ। धीरे-धीरे दोनों का रिश्ता गहराने लगा और वे चोरी-छिपे नदी-नहर किनारे मिलने लगे।

अंतरजातीय शादी से प्रेमी के स्वजन हुए नाराज

एक सप्ताह पहले ग्रामीणों ने दोनों को प्रेमालाप में रंगे हाथ पकड़ लिया। मामला जब प्रेमी रंजन के परिवार तक पहुंचा तो अंतरजातीय विवाह का हवाला देकर परिजन शादी से पीछे हट गए। प्रेमी भी परिवार के दबाव में आकर शादी से मुकरने लगे, जिससे प्रेमिका लक्ष्मी परेशान हो गई।

मंदिरों ने किया इनकार, यात्री शेड बना विवाह स्थल

सोमवार शाम ग्रामीणों के दबाव में प्रेमी युगल को पहले तिलडीहा ले जाया गया, लेकिन मंदिर प्रबंध समिति ने वहां शादी कराने से इनकार कर दिया। फिर उल्टानाथ महादेव मंदिर गए, लेकिन वहां भी शादी नहीं हो सकी।

आखिरकार, ग्रामीणों ने तिलडीहा के यात्री शेड में दोनों की शादी करवा दी। यह शादी पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गई है।

5 लीटर देसी शराब के साथ शराब कारोबारी गिरफ्तार

बिहार पत्रिका।चांदन/बांका। शिवरात्रि और होली को लेकर पुलिस अधीक्षक उपेंद्र नाथ वर्मा के आदेशानुसार शराब एवं शराब कारोबारी के सघन छापेमारी अभियान के तहत गुप्त सूचना के आधार पर सोमवार की देर रात छापेमारी अभियान चलाकर आनंदपुर थानाध्यक्ष विपिन कुमार आदि पुलिस बल द्वारा पांच लीटर महुआ शराब सहित एक शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया. साथ ही पुलिस कारोबारी के घर में रखा 40 किलो फुलाया जावा महुआ विशिष्ट किया। गिरफ्तार शराब कारोबारी की पहचान आनंदपुर थाना क्षेत्र के गाजोरायडीह गांव निवासी स्वर्गीय धनराज राय के 56 वर्षीय पुत्र नरेश राय बताया गया है। थानाध्यक्ष विपिन कुमार ने बताया की गिरफ्तार शराब कारोबारी नरेश राय के खिलाफ विधिवत बिहार मद्द उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया।

पुलिस सप्ताह 2025 के तहत पर्यावरण सुरक्षा को लेकर थाना में किया वृक्षारोपण

बिहार पत्रिका,चांदन/बांका।पुलिस अधीक्षक उपेंद्रनाथ वर्मा के आदेशानुसार मंगलवार 25 फरवरी को पुलिस सप्ताह 2025 के तहत आनंदपुर थाना अध्यक्ष विपिन कुमार के नेतृत्व में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजन किया गया। इस मौके पर थाना के सभी पुलिस पदाधिकारी सहित ए एस आई उमेश कुमार सिंहा, सतीश कुमार, जनार्दन दुबे आदि पुलिस कर्मी मौजूद थे। इस मौके पर थाना अध्यक्ष विपिन कुमार ने बताया कि पर्यावरण में सामाजिक सरोकारों के समीप पुलिस को लाने और जनता और पुलिस के बीच बढ़ रही दूरी को कम करने के उद्देश्य से बिहार पुलिस के द्वारा दिनांक 22 फरवरी से 27 फरवरी तक पुलिस सप्ताह बनाने का संकल्प लिया गया है।इन दिनों पुलिस और जनता के बीच जो फासले बढ़ रहे हैं उन्हे पाटने का काम इन कार्यक्रमों से किया जा रहा है। पुलिस और जनता के हिफाजत के लिए एक सशक्त माध्यम है इसलिए जनता को भी पुलिस की मदद करना अपना धर्म समझना चाहिए,वहीं ए एस आई जनार्दन दुबे ने पर्यावरण में हो रहे प्रदूषण को रोकने के लिए वृक्षों को लगाना एवं इसकी हिफाजत करने को आवश्यक बताया कहा कि वातावरण में भर्ती कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को संतुलित करने में वृक्ष ही सहायता कर सकता है। इसलिए तमाम लोगों को कम से कम एक वृक्ष लगाना चाहिए।

महाशिवरात्रि पर विधि व्यवस्था को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड में

शोभायात्रा व झांकी को लेकर सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था

बिहार पत्रिका।वैशाली

विभिन्न प्वाइंटों पर मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में पुलिस पदाधिकारी व महिला-पुरूष पुलिस जवानों को तैनात किया गया है। वहीं, पुलिस पदाधिकारियों को हर गतिविधि पर पैनी नजर रखने का सख्त निर्देश दिया गया है। शहर के सभी संवेदनशील स्थानों पर शोभायात्रा पर नजर रखने के लिए सड़क किनारे सभी ऊंचें बिल्डिंगों पर पुलिस जवान को तैनात कर वीडियो कैमरा व ड्रॉन से नजर रखी जाएगी। इस दौरान विधि व्यवस्था में किसी तरह की चूक ना हो इसलिए नगर के 28 जगहों पर दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी को नगर समेत सभी थाना क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहकर किसी भी प्रकार के जुलूस पर नज़र रखने और विधि व्यवस्था संधारण का आदेश दिया गया है। 49 स्थानों में स्टैटिक मजिस्ट्रेट और पुलिस पदाधिकारी की तैनाती की गई है। महाशिवरात्रि के दौरान विभिन्न 20 थानों में मजिस्ट्रेट व पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्त कर सुरक्षित रखा गया है। जो क्षेत्र में किसी सूचना पर तुरंत मौके पर पहुंच विधि व्यवस्था संभालेंगे। वहीं, हाजीपुर शहर के विभिन्न 28 स्थानों पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट और पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। जबकि सभी प्रखंडों में 16 जगहों पर मजिस्ट्रेट व पुलिस पदाधिकारी की डियूटी लगी है। 06224-260220 कंट्रोल रूम में जि.लो.शि.नि. पदाधिकार को नियंत्रण कक्ष का वरीय प्रभार में प्रतिनियुक्त किया गया है। इन्हें किसी भी प्रकार की सूचना प्राप्त होने पर अभिलंब वरीय पदाधिकारियों को सूचित करने एवं विधि व्यवस्था संधारण के लिये आवश्यकतानुसार प्रस्थान करने का निदेश दिया गया है। सभी बीडीओ, सीओ एवं थाना प्रभारी को समन्वय स्थापित करते हुए अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत महाशिवरात्रि के अवसर पर सतत एवं कड़ी निगरानी रखते हुए विधि-व्यवस्था संधारण करने का निर्देश संयुक्त आदेश में दिया गया है। सभी एसडीओ एवं एसडीपीओ को अपने-अपने क्षेत्रों में प्रतिबंधित मांस, धर्म विरोधी गतिविधियों सांप्रदायिक भावना भड़काने वाले गाने, सोशल मीडिया द्वारा शेयर किए जाने वाले संवाद, गीत इत्यादि पर कड़ी नजर रखना सुनिश्चित करने को कहा गया है। साथ ही उक्त आलोक में आवांछित तत्वों के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया गया है। प्रभारी सीसीएसएमयू को साइबर सेल को सोशल मीडिया पर निगरानी रखने का निदेश दिया गया है। वही बिजली विभाग को सुबह 6 बजे से रात्रि 8 बजे तक चिन्हित जगहों पर विद्युत सप्लाई बंद रखने का निर्देश दिया है। संयुक्तादेश में साफ-सफाई, पेयजल, चलंत शौचालय की व्यवस्था के लिए नगर परिषद ईओ को निर्देशित करते हुए सभी प्रमुख शिवालयों के आसपास साफ-सफाई ,पीने के पानी ब्लीचिंग इत्यादि की व्यवस्था करने का निदेश दिया गया है। ट्रैफिक इंस्पेक्टर को यातायात बल एवं पदाधिकारी को प्रतिनियुक्त कर सुगम यातायात की व्यवस्था करने का निदेश दिया गया है। वही अग्निशाम पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में एक-एक अग्निशाम दस्ता की प्रतिनियुक्ति वाहन के साथ सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया है। सिविल सर्जन को जिला नियंत्रण कक्ष में दो एंबुलेंस, चिकित्सक दल को आवश्यक उपकरण तथा जीवनरक्षक दवाओं के साथ प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया है। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वाले को तुरंत गिरफ्तार किया जाएगा। प्रशासन की पूरी नजर है। अफवाह फैलाने वालों को विभिन्न धारा के तहत तुरंत कार्रवाई करते हुए गिरफ्तारी होगी। जुलूस में गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। किसी भी स्थिति में शांति व्यवस्था को भंग नहीं होने दिया जाएगा। आज महाशिवरात्रि पर विधि व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था संधारण के लिए DM यशपाल मीणा और पुलिस अधीक्षक ललित मोहन शर्मा द्वारा संयुक्त रूप से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक की गई और पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।समीक्षा बैठक में अपर समाहर्ता, उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता (आपदा), डीपीआरओ,अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, हाजीपुर, लालगंज, महुआ एवं महनार, सभी कार्यपालक पदाधिकारी, नगर निकाय , सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचलाधिकारी, सभी थानाध्यक्ष शामिल हुए।

जिलाधिकारी ने छात्रों को बताएं सफलता का मूल मंत्र

मोबाइल से रहो दूर, सफलता मिलेगी जरूर

बिहार पत्रिका,वैशाली। मंगलवार को जिलाधिकारी यशपाल मीणा छात्रों को सफलता का पाठ पढ़ाते नजर आए। हाजीपुर में ओबीसी हॉस्टल के निरीक्षण के क्रम में उन्होंने प्रत्येक छात्र से संवाद किया। पुस्तकालय में पाठशाला लगी। उन्होंने छात्रों से कहा कि सफलता के लिए तपस्या करना होता है। सफलता का कोई शॉर्टकट मार्ग नहीं होता है। किताबों से दोस्ती करो, मोबाइल से दूरी बनाओं, सफलता जरूर मिलेगी। उन्होंने छात्रों को बताया कि गहन अध्ययन कर खुद नोट्स बनाओं।बने बनाए नोट्स के पीछे मत भागो। कोई नेशनल न्यूज़ पेपर रोज पढ़ो। प्रतिदिन नई जानकारी हासिल करो। भारत सरकार और बिहार सरकार की वेबसाइट पर भी ढेर सारी जानकारियां उपलब्ध हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार द्वारा छात्रों के लिए इतनी सुविधा दी जा रही है। छात्रावास में स्मार्ट क्लासेस, पुस्तकालय, वाईफाई एवं कंप्यूटर आदि की सुविधा उपलब्ध है। यदि छात्र एकाग्रचित होकर मन से परीक्षा की तैयारी करें, तो सफलता एक दिन अवश्य मिलेगी। संवाद के दौरान छात्र नायक सुजीत कुमार ने बताया कि उसने रेलवे की परीक्षा दी है। रिजल्ट आने वाला है। सोनू कुमार ने बताया कि वह एसएससी का परीक्षा दे चुका है, परिणाम का इंतजार है। अभिषेक, नीतीश कुमार ठाकुर और अनिकेत ने बताया कि वे आर. एन.कॉलेज से बीसीए कर रहे हैं। जिलाधिकारी ने अनिकेत से पूछा कि बताओ जावा और सी प्लस प्लस में क्या अंतर होता है। छात्र ने सही उत्तर दिया। मालूम हो कि ओबीसी छात्रावास में सरकार द्वारा छात्रों के लिए रहन-सहन, खान पान, लाइब्रेरी, स्मार्ट क्लासेस, कंप्यूटर, बिजली, पंखा, बेड आदि की समुचित व्यवस्था की गई है। निरीक्षण के दौरान जिला सूचना एवं जन संपर्क पदाधिकारी नीरज तथा कल्याण विभाग के पदाधिकारी राजेश कुमार सुधांशु,अभिषेक मिश्रा, राजीव रंजन सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

ज्ञानम पाठशाला ने मड़ैया में आयोजित किया वार्षिक महोत्सव

क्यूज प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मोहा मन

बच्चों की प्रतिभा और सामाजिक संदेशों से गूंजा मड़ैया नाट्य कला परिषद

बिहार पत्रिका। खगड़िया

परबत्ता प्रखंड अंतर्गत मड़ैया नाट्य कला परिषद में ज्ञानम पाठशाला के वार्षिक महोत्सव का आयोजन भव्य तरीके से किया गया। इस अवसर पर क्यूज प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सामाजिक संदेशों से भरे नाट्य मंचन का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों और अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ ज्ञानम पाठशाला के डायरेक्टर अमृत आर्यन और प्राचार्य आदित्य राज आनंद के नेतृत्व में हुआ। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की, जिसके बाद सभी गणमान्य अतिथियों को अंग वस्त्र से सम्मानित किया गया।

बच्चों में ज्ञानवर्धन का माध्यम बनी क्यूज प्रतियोगिता

क्यूज प्रतियोगिता का सफल संचालन विक्रम कुमार शर्मा द्वारा किया गया, जबकि अध्यक्षता स्वयं अमृत आर्यन ने की। प्रतियोगिता के दौरान बच्चों ने अपनी बुद्धिमत्ता, तर्कशक्ति और ज्ञान का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के फाइनल राउंड में ग्रुप-1 से सोनाक्षी कुमारी और ज्योति कुमारी, जबकि ग्रुप-2 से सचिन कुमार और दिव्यांशु कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजयी प्रतिभागियों को मोमेंटो एवं शिल्ड देकर सम्मानित किया गया। क्यूज प्रतियोगिता के साथ-साथ छात्रों ने देशभक्ति गीतों और नाटक के माध्यम से दर्शकों को भावविभोर कर दिया। ज्ञानम पाठशाला के छात्रों ने शहीद कैप्टन आनंद सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए, जिसने पूरे माहौल को देशप्रेम से भर दिया। डायरेक्टर अमृत आर्यन द्वारा लिखित दहेज प्रथा पर आधारित नाटक भी प्रस्तुत किया गया, जिसने सभी अभिभावकों और ग्रामीणों को झकझोर कर रख दिया। इस नाटक ने समाज में दहेज जैसी कुरीति के खिलाफ एक सशक्त संदेश दिया, जिसे दर्शकों ने तालियों की गूंज से सराहा।अपने संबोधन में ज्ञानम पाठशाला के डायरेक्टर अमृत आर्यन ने कहा,"मैं मड़ैया गांव के एक साधारण किसान परिवार से हूं। मैंने भी यहां के गुरुजनों से शिक्षा प्राप्त की है, और आज मेरी प्राथमिकता यही है कि इस समाज के बच्चों को बेहतरीन शिक्षा और संस्कार मिलें, ताकि वे देश का नाम रोशन कर सकें।" उन्होंने कार्यक्रम की सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों – पांडव सर, सनोवर आलम और अंकित सर को देते हुए आभार प्रकट किया। इस भव्य आयोजन में मां दुर्गा समिति के सचिव नित्यानंद पोद्दार, मेला मालिक मंटू शर्मा, राजेश अग्रवाल, पूर्व मुखिया डॉ. रामविलास शर्मा, वैसा पंचायत के मुखिया शिव यादव, सुनील चौरसिया समेत सैकड़ों ग्रामीण एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

गुरूमैला पंचायत में जल्द बनकर तैयार होगा पंचायत सरकार भवन

बिहार पत्रिका। कटिहार

बरारी प्रखंड के क्षेत्र गुरूमैला पंचायत में पंचायत सरकार भवन का निर्माण कार्य शुरू होने से गुरुमेला पंचायत के गुरुमेला गाँव में बसे हजारों परिवार को वर्षों बाद दो मंजिला पंचायत सरकार भवन की सौगात से पंचायत वासियों में हर्षित हैं। बता दे टॉप लाईन इनफा कार्य ऐजेन्सी कार्यपालक अभियंता के द्वारा दो करोड़ छियानवे लाख इकासी हजार चार सौ उनचास रुपए कि लागत से निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ तेजी से कराया जा रहा हैं। वही स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत सरकार भवन निर्माण गुणवत्तापूर्ण कार्य कराया जा रहा है ब्रांडेड कंपनी का सरिया सीमेंट इस्तेमाल किया जा रहा है। भवन निर्माण कार्य में संवेदक के द्वारा किसी भी तरह की कोई की कमी नहीं की जा रही है।वही पंचायत के पूर्व मुखिया बच्ची यादव आदि दर्जनों लोगों ने बताया कि गुरुमैला पंचायत जो गंगा नदी के करीब डेढ़ सौ मीटर के दूरी पर सटा हुआ बाढ़ से पीड़ीत परिवारों का धनी आवादी वाली पंचायत है।इस पंचायत में आजादी के वर्षो वित जाने के वाद भी जनहित में पंचायत के लोगों के लिए सरकार के द्वारा भवन नही बना था।जिसके कारण बाढ़ के समय ग्रामीणों के साहयता के लिए कोई भी सरकारी कर्मी नही आ पाते थे। और सरकारी कार्यो के लिए दस किलो मीटर दूर बरारी प्रखंड जाना पड़ता था।

ग्रामीणों ने बताया कि सरकारी भवन नही रहने के कारण बाढ़ के समय पीड़ीत परिवारों के लिए सामुदायिक भोजन शिविर में एक किलोमिटर दूर गांव से बाहर जाना पड़ता था। शादी विवाह या किसी अन्य कार्यो के लिए काफी दिक्कतो का सामना करना पड़ता था।ग्रामीणों ने बताया कई बर्षो से गुरुमैला पंचायत के ग्रामीणों ने सरकारी भवन का निर्माण कराने के लिए जिला प्रशासन और स्थानिय जन प्रतिनिधियों से मांग किया था। ग्रामीणों ने पंचायत सरकार भवन का निर्माण कार्य शुरू होने से खुशी जाहिर करते हुए बरारी के विधायक विजय सिंह निषाद एमएलसी अशोक अग्रवाल को बधाई दिया है।

संक्षिप्त खबर

शंभूगंज में गरजे भाकपा माले कार्यकर्ता , बदलो बिहार महाजुटान में शामिल होने की अपील की

ब्यूरो रिपोर्ट ।बिहार पत्रिका

शंभूगंज/बांका। मंगलवार को भाकपा माले कार्यकर्ताओं ने शंभूगंज बाजार में रोड मार्च कर बदलो बिहार महाजुटान में पटना चलने का निमंत्रण दिया । सभी कार्यकर्ताओं ने हाथों में बैनर , पोस्टर लिए पार्टी के संकल्पों को बताया । साथ ही नीतीश के डबल इंजन की सरकार के विफलता को गिनाया । नेतृत्व कर रहे भाकपा माले के राज्य कमिटी सदस्य रणवीर कुशवाहा ने बताया कि नीतीश सरकार तानाशाही सरकार है। अपने हक और अधिकार की आवाज उठाने वाले छात्रों , श्रमिकों बेसहारों पर लाठी चार्ज करवाती है। आमलोगों पर अफसरशाही हावी है। हरेक कार्यालय में बगैर पैसे का कोई काम नहीं होता है। इस बार जनता जग चुकी है। नीतीश सरकार को जवाब देने के लिए तैयार है। इसके लिए दो मार्च को बदलो बिहार महाजुटान में पटना चलने की अपील की । मौके पर पूर्व जिला परिषद सदस्य रीता देवी , नंदनी देवी, कोमल देवी, लक्ष्मी देवी, अनूप दास, सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थें।

पुरानी रंजिश को ले दो पक्षों के बीच मारपीट में दो महिला सहित तीन लोग जख्मी

ब्यूरो रिपोर्ट /दैनिक बिहार पत्रिका

शंभूगंज/बांका। थाना क्षेत्र के भरतशिला गांव में पुरानी रंजिश को ले दो पक्षों के बीच मारपीट की घटना हुई । जिसमें दो महिला सहित तीन लोग जख्मी हो गए । जख्मी में एक ही पक्ष के देवनीत चौधरी , पत्नी कविता देवी एवं पुत्री आशा कुमारी है। जख्मी देवनीत ने बताया कि रविवार की शाम पुत्र अमन कुमार सब्जी लाने हटिया गया था । वहीं पड़ोसी मुकेश मरीक के पुत्र से किसी बात पर विवाद हो गया । जिसमें मुकेश मरीक ने पुत्र के साथ मारपीट किया । पुत्र के घर आने के बाद शिकायत करने शंभु मरीक के यहां पहुंचे । कहने के साथ ही वे भड़क गए ,और गाली - गलौज करने लगे । विरोध करने पर शंभु के अलावा मुकेश मरीक , अमरेंद्र मरीक , आशिष कुमार सहित अन्य ने लाठी डंडे से पिटाई शुरु कर दी । ग्रामीणों द्वारा बीच - बचाव किया गया । इस घटना में देवनीत ने उपरोक्त लोगों के खिलाफ शिकायत की है। थानाध्यक्ष मंटू कुमार ने मामले की जांच करने की बात कही है।

सर्वेक्षण के नाम पर अवैध राशि की मांग की स्थिति में शिकायत करने के लिए एक विशेष टेलीफोन नंबर जारी

कुमार चंदन । बिहार पत्रिका

बांका। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत योजना की प्रतीक्षा सूची से छूटे हुए योग्य लाभुकों के सर्वेक्षण का कार्य आवास एप प्लस, 2024 के माध्यम से दिनांक 10 जनवरी, 2025 से संपूर्ण जिला में किया जा रहा है। यह प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क होगी। सर्वेक्षण का कार्य 31 मार्च, 2025 तक किया जाना है। इसी कड़ी में मंगलवार को सर्वे किए गए लाभुकों का भौतिक सत्यापन सहायक निदेशक जिला बाल संरक्षण इकाई, बांका द्वारा डुमरिया पंचायत प्रखंड बेलहर में किया गया। जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार के निर्देश पर, बांका जिले में चल रहे सर्वे कार्य के दौरान यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसी भी लाभुक से अवैध रूप से कोई राशि न ली जाए। इस दिशा में सभी लाभुकों से सर्वे संबंधित जानकारी ली गई और यह पूछा गया कि क्या सर्वे कार्य के दौरान कोई भी अवैध राशि की मांग की गई है। जिला पदाधिकारी, बांका ने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं कि किसी भी व्यक्ति से सर्वे कार्य के नाम पर राशि की मांग न हो। इस बाबत अवैध राशि की मांग होने की स्थिति में शिकायत करने के लिए एक विशेष टेलीफोन नंबर जारी किया गया है। सर्वेक्षण के दौरान यदि किसी कर्मी द्वारा अवैध राशि की मांग की जाती है, तो इसकी शिकायत जिला प्रशासन, बांका से टेलीफोन नंबरः 06424-223001, 06424-223002, 06424-223004 पर की जा सकती है।

'बेटी बचाओ, बेटी पढाओ' योजनान्तर्गत सखी वार्ता -सह- जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

ब्यूरो रिपोर्ट।बिहार पत्रिका

बांका। जिला पदाधिकारी, बाँका अंशुल कुमार के निर्देशानुसार महिला एवं बाल विकास निगम अंतर्गत जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन कार्यालय बांका द्वारा ₹बेटी बचाओ, बेटी पढाओ ₹ योजनान्तर्गत सखी वार्ता -सह- जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन बाँका प्रखंड के प्रोन्नत मध्य विद्यालय, गोहकारा में किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं को संबोधित करते हुए जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन के जिला मिशन समन्वयक ने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं के सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए जिला में सखी वन स्टॉप सेंटर संचालित है साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं से संबंधित योजनाओं की जानकारी देने तथा लाभान्वित कराने के लिए जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन कार्यलय संचालित है। इसी के तहत कई कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। लिंग परीक्षण कराकर कन्या भ्रूण हत्या जैसे जघन्य अपराध रोकने के लिए,बाल विवाह रोकथाम के लिए तथा बालिका शिक्षा सुनिश्चित करने एवं घरेलू हिंसा नहीं करने के लिए समाज के लोगों को जागरूक होना होगा तथा बेटा-बेटी में अंतर नहीं करते हुए बेटियों के जन्म लेने से लेकर उनके शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सम्मान, सुरक्षा, संरक्षण एवं समानता के लिए सभी को सोचना होगा। अतः आप सभी समस्या समाधान के लिए,योजनाओं की जानकारी के लिए एवं योजनाओं को प्राप्त करने में सहयोग के लिए महिला हेल्पलाइन टॉल फ्री नंबर 181 एवं सखी वन स्टॉप सेंटर मोबाइल नंबर 9771468004 पर संपर्क कर सकते हैं अथवा जिला मुख्यालय में समाहरणालय बांका के पास अवस्थित जिला महिला सशक्तीकरण कार्यालय में संचालित सखी वन स्टॉप सेंटर, जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन कार्यलय से सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इस दौरान ₹बेटी बचाओ, बेटी पढाओ₹ ₹बेटी के नाम, पेड़ लगाओ₹के तहत पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन के कर्मी, छात्र-छात्रा,शिक्षक-शिक्षिका एवं विद्यालय कर्मी की उपस्थिति रही।

नगर पंचायत अध्यक्ष ने कार्यपालक पदाधिकारी पर मनमाने ढंग से कार्य करने का लगाया गंभीर आरोप

कुमार चंदन । बिहार पत्रिका

बौंसी/बांका। नगर पंचायत के सामान्य बोर्ड की बैठक के बहिष्कार करने के बाद मंगलवार को नगर पंचायत अध्यक्ष कोमल भारती ने नगर पंचायत कार्यालय में प्रेस वार्ता की। उन्होंने प्रेस वार्ता के दौरान कार्यपालक पदाधिकारी पर मनमाने ढंग से कार्य करने का गंभीर आरोप लगाया है। प्रेस वार्ता के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि वह हमेशा नगर पंचायत में विकास का कार्य करवाना चाहती है। लेकिन कार्यपालक पदाधिकारी और कुछ वार्ड पार्षदों के द्वारा मनमाने तरीके से कार्य करने के लिए बाध्य किया जा रहा है। जिस वजह से नगर पंचायत क्षेत्र में विकास का कार्य बाधित हो रहा है। नगर पंचायत अध्यक्ष ने आरोप लगाते हुए कहा कि कार्यपालक पदाधिकारी एवं कुछ वार्ड पार्षदों के द्वारा अपने निजी स्वार्थ एवं निजी लाभ के कारण विभागीय तरीके से कार्य करवाना चाहते हैं। परंतु नगर पंचायत अध्यक्ष पेयजल आपूर्ति के लिए 21 वार्डों में 42 स्टैंड पोस्ट निर्माण कार्य टेंडर प्रक्रिया से करवाना चाहती है। वार्ता के दौरान बताया गया कि पेयजल आपूर्ति का कार्य टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से जल्द पूरा हो सकता है। दूसरी ओर वार्ड पार्षदों का कहना है कि विभागीय नियमावली के अनुसार 15 लाख से ऊपर के कार्यों के लिए टेंडर प्रक्रिया होती है। जबकि एक स्टैंड पोस्ट का निर्माण 3 लाख की लागत से होना है। तो ऐसे में विभागीय स्तर से कार्य करना ही उचित है। नगर पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि विभागीय प्रक्रिया से अगर 21 वार्डों में 42 स्टैंड पोस्ट बनवाया जाएगा, तो इस कार्य को पूरा करने में करीब 2 वर्ष का समय लगेगा। चुकी विभागीय तरीके से एक बार में तीन ही स्टैंड पोस्ट का निर्माण किया जा सकता है और इसी कार्य को अगर टेंडर प्रक्रिया से किया जाएगा तो नगर वासियों को एक माह से डेढ़ माह तक के बीच नगर वासियों को पानी की समस्या से निजात मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि विभागीय कार्य में गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं होती है। जबकि टेंडर प्रक्रिया में गुणवत्तापूर्ण कार्य एवं सही समय पर कार्य हो जाता है। विभागीय कार्य में लोगों का निजी स्वार्थ रहता है और निजी लाभ का समावेश रहता है। मामले को लेकर वार्ड पार्षद नवनीत कुमार, मृणाल आनंद, आलोक झा, अजय कुमार शाह, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि श्रवण कुमार उर्फ पिंटू यादव,मो.सलमान,श्रीकांत यादव, के द्वारा जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार को पत्र लिखकर इस मामले से अवगत कराते हुए नगर पंचायत क्षेत्र के विकास कार्य में नगर पंचायत अध्यक्ष को बाधक बनने की बात बताई गई है।

चांदन अस्पताल की सुंदरता पर लगी प्रशासनिक ग्रहण

बिहार पत्रिका।बांका

चांदन।ऐसे तो राज्य से लेकर केंद्र सरकार स्वास्थ्य सुविधा में उपलब्ध कराने में बेहतर प्रयास करने का खूब दावा करते आ रहे हैं। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही ब्यां करती है. ऐसे ही मामला बांका जिला के चर्चित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चांदन की बताई जा रही है। जहां मरीज़ों को सेवा तो मिल रही पर, एम्बुलेंस से अस्पताल के द्वार तक पहुँचने में बड़ी ही दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है. जिसका मुख्य कारण है कि करोड़ों रुपए लागत से बने अस्पताल के सामने पोखर नुमा गहरी खाई। जहां एम्बुलेंस चालक अपनी जान जोखिम में डालकर मरीजों को गंतव्य स्थान तक ले जाते हैं और ले आते हैं। इस बाबत एम्बुलेंस चालक शम्भु यादव,घनश्याम यादव आदि ने बताया की अचानक को गंभीर रोगी को ले जाने के अस्पताल के सामने एम्बुलेंस लेकर आने पर खतरा बना रहता है।आगे उन्होंने बताया की कई बार एम्बुलेंस इस खाई से दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं. बावजूद प्रशासन का ध्यान नहीं है। यहां कभी भी बड़ी घटना हो सकती है. विदित हो की पिछले दो वर्ष पूर्व अस्पताल की जीर्णोद्धार पर बांका डीएम अंशुल कुमार अस्पताल की रंग रोगन और कायाकल्प की खूब प्रशंसा किए थे। और अस्पताल की सुन्दरता और यहा आवंटित किए गए मरीज़ों कि व्यवस्था के आलोक में पुर्व उपमुख्य मंत्री सह स्वास्थ्य मंत्री माननीय तेजस्वी यादव द्वारा डीएम अंशुल कुमार पटना में प्रशस्ति पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया गया था। इस दौरान डीएम ने चांदन के कार्यक्रम पदाधिकारी (मनरेगा पी ओ) को मीडिया के समक्ष अस्पताल के समीप बने पोखर को मिट्टी भर कर आने जाने का मार्ग चौड़ीकरण और बाउंड्रीवाल कराने का सख्त निर्देश दिया गया था. जो आज तक डीएम का दिए अश्वाशन धरे का धरे रह गया है. जो बांका प्रशासन के सवालिया निशान लगा हुआ है. वहीं इस संदर्भ में अस्पताल के प्रभारी चिकित्सक डॉक्टर आशीष कुमार का कहना है कि अस्पताल कैंपस अवस्थित कोरोना वार्ड से लेकर अस्पताल में चारदीवारी नही रहने से अस्पताल कर्मी के साथ साथ मरीज असुरक्षित महसूस करते हैं. अस्पताल में चार दीवारी और अस्पताल के सामने पोखर पर बाउंड्री वॉल होना अति आवश्यक है। ताकी अस्पताल कैंपस में औषधि गुण जैसे पौधा लगाकर पर्यावरण सुरक्षित कर सकें।

गोगरी में कचरे का ढेर बना 'मौत का जाल', जहरीली गैस से मासूम बच्ची बेहोश

नगर परिषद की लापरवाही से वार्ड नं. 12 में स्वास्थ्य संकट, लोग जी रहे नरक जैसी जिंदगी

बिहार पत्रिका।खगड़िया

गोगरी।क्या गोगरी नगर परिषद किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रही है? शहर के वार्ड नं. 12 में जी० एन बाँध के किनारे जमा हो रहा कचरे का अंबार लोगों की जान पर बन आया है। हालात इतने भयावह हो चुके हैं कि जहरीली गैस से दम घुटने जैसी स्थिति बन गई है। इस दुर्गंध भरे माहौल में एक मासूम बच्ची अचानक बेहोश होकर गिर पड़ी। गनीमत रही कि समय रहते उसे बचा लिया गया, वरना स्थिति और भी गंभीर हो सकती थी।

नगर परिषद पर गंभीर आरोप, कब जागेगा प्रशासन?

स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर परिषद ने इस इलाके को कूड़ा घर बना दिया है। सड़ते-गलते कचरे की जहरीली बदबू और संक्रमण फैलने का खतरा अब बेकाबू हो चुका है। यहां रहने वाले सैकड़ों परिवारों का जीना दूभर हो गया है, लेकिन प्रशासन बेखबर बना हुआ है।

डॉ. रवि कुमार (जिला उपाध्यक्ष, जद (यू) व्यवसायिक एवं उद्योग प्रकोष्ठ) ने अनुमंडल पदाधिकारी और नगर परिषद के कार्यपालक अधिकारी को पत्र लिखकर तत्काल कचरा हटाने और वैकल्पिक डंपिंग स्थल बनाने की मांग की है। स्थानीय नागरिक विवेकानंद पाठक, मणिकांत कुमार, पियूष कुमार, क्रिश कुमार, आर्यण कुमार और करण कुमार ने भी इस मुद्दे को लेकर प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है।

बीमारियों की दस्तक, महामारी का खतरा!

विशेषज्ञों के अनुसार, इस गंदगी से मलेरिया, डेंगू, डायरिया और श्वसन संबंधी बीमारियां तेजी से फैल सकती हैं। बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं, लेकिन प्रशासन की चुप्पी अब संदेहास्पद बनती जा रही है।

अगर कार्रवाई नहीं हुई तो होगा बड़ा आंदोलन!

स्थानीय लोगों ने कड़ा रुख अपनाते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है। अगर प्रशासन जल्द कोई ठोस कदम नहीं उठाता, तो नगर परिषद कार्यालय के बाहर प्रदर्शन और घेराव किया जाएगा।

अब प्रशासन क्या करेगा?

क्या नगर परिषद नींद से जागेगी? या फिर जनता को इसी नरकीय स्थिति में छोड़ दिया जाएगा?

अगर समय रहते समाधान नहीं मिला, तो यह लापरवाही किसी बड़े हादसे को जन्म दे सकती है। अब देखना होगा कि नगर प्रशासन इस गंभीर समस्या पर क्या कदम उठाता है!

दिव्यांग अधिकार सम्मेलन को लेकर खगड़िया में जागरूकता बैठक

7 मार्च को पटना में होगा भव्य आयोजन

बिहार पत्रिका।खगड़िया

दिव्यांगजनों के अधिकार और सशक्तिकरण को लेकर खगड़िया के सर्किट हाउस सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक आगामी 7 मार्च 2025 को पटना के श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में होने वाले दिव्यांग अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सह दिव्यांग अधिकार सम्मेलन की तैयारी के मद्देनजर आयोजित की गई थी, जिसमें जिलेभर से दिव्यांगजनों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर ऑल इंडिया PWD के कार्यकारी अध्यक्ष हृदय यादव मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे, जिनका भव्य स्वागत किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष पंकज कुमार ने की, जबकि संचालन जिला सचिव राजेश पासवान ने किया। जिला मीडिया प्रभारी पवन पासवान ने स्वागत भाषण दिया। बैठक में जिले भर से सैकड़ों दिव्यांगजन उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से संदीप पटेल, बसंती कुमारी, प्रमिला कुमारी, लाल बाबू, पंकज कुमार, इमाम उल हक, बृजेश कुमार, फोनी आलम, प्रमोद चौरसिया, घनश्याम कुमार, गौरव कुमार एवं सौरभ कुमार की उपस्थिति चर्चा का विषय रही। हृदय यादव ने दिव्यांगजनों के अधिकारों और उनके सामाजिक सम्मान पर जोर देते हुए कहा,"समाज में दिव्यांगजनों की भूमिका अहम है। उनके हक और गरिमा की रक्षा के लिए सभी को आगे आना होगा।" उन्होंने सभी से 7 मार्च को पटना में आयोजित सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की। बैठक में मौजूद सभी प्रतिभागियों ने सम्मेलन को सफल बनाने और दिव्यांगजनों के हक की आवाज बुलंद करने का संकल्प लिया।

बुद्धनगर भरतखण्ड में संतमत सत्संग का आयोजन

बिहार पत्रिका।खगड़िया

खगड़िया ।जिले के परबत्ता प्रखंड के सौ ढ उत्तरी पंचायत अंतर्गत स्थित बुद्धनगर भरतखण्ड के महर्षि मेही आश्रम के प्रांगण में सत्संग के दूसरे दिन भक्तों की भीड़ गुरुसेवी भागीरथ दासजी महाराज को देखने के लिए बेताब था। सद्गुरु महाराज की जय के नारों से सत्संग पंडाल। कार्यक्रम का संचालन विवेकानंद बाबा ने किया। महर्षि मेही आश्रम कुप्पाघाट भागलपुर से आए गुरुसेवी भागीरथ दासजी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि जिस स्थान पर सत्संग का आयोजन किया जाता है वह स्थान पवित्र हो जाता है। वहीं जो सत्संग में भाग लेते हैं वह भवसागर को पार कर जाते हैं। ईश्वर ने मानव रूपी शरीर दिया है। मानव शरीर पूर्व जन्मों की कठिन तपस्या से प्राप्त होता है। नरेशानंद बाबा और मुक्तानंद बाबा ने कहा कि अपने दैनिक कार्यों में लीन रहते हुए समय कुछ समय निकालकर भगवत भजन करना चाहिए। ताकि मन को शान्ति और आत्मीय सुख प्राप्त कर सके। नाथू बाबा और संजय बाबा ने कहा कि सत्संग के द्वारा संतों के शरण में आकर मनुष्य को ईश्वर तक पहुंचने का अवसर प्राप्त होता है। सुधीर बाबा और नंदकिशोर बाबा ने कहा कि संतों के बताए मार्ग पर चलकर सद्गुरु महाराज की स्तुति करने से जीवन में आने वाली बाधाएं दूर होती है। शिक्षक सिद्धार्थ कुमार और जयप्रकाश महतो ने कहा कि सत्संग और संत के सानिध्य में सही तरीके से जीवन जीने का ज्ञान मिलता है। सत्संग और संतों के सानिध्य में बुरा व्यक्ति भी अच्छा बन जाता है। देवसुंदर बाबा और विवेकानंद बाबा ने कहा कि ईश्वर द्वारा सृजित मानव प्राणी परमात्मा को कोई भी चीज वस्तु देने में सक्षम नहीं है। अपितु ईश्वर मात्र भाव जीव के कल्याण के लिए कृपा करते रहते हैं। कार्यक्रम में यशु प्रिया, निधि कुमारी, काशू कुमारी ने स्वागत गान गाई। मौके पर शिक्षक सिद्धार्थ कुमार, जयप्रकाश महतो, नित्यानंद यादव, उत्कर्ष कुमार, राधेश्याम साह, गोपाल यादव, गुंजन कुमार, रवि कुमार, राजकिशोर जायसवाल, सुमित, शंभू मंडल, डॉक्टर विपिन, विवेकानंद बाबा , कृष्णदेव मालाकार, प्रमोद मंडल, प्रदीप दास, राजीव कुमार, मुन्ना शर्मा, राजेंद्र मंडल, बबलू कुमार, डबलू मंडल, कपिलदेव यादव, उपेंद्र शास्त्री, जवाहर दास, उमाशंकर महतो, हजारों सत्संगी और ग्रामीण मौजूद थे।

बांग्लादेश से जुड़े मामले में अदालत हस्तक्षेप नहीं कर सकती, कहकर सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने याचिका खारिज की

नई दिल्ली । देश के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने लुधियाना स्थित भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव समिति के अध्यक्ष और इस्कॉन मंदिर संचालन बोर्ड के उपाध्यक्ष राजेश ढांडा द्वारा दायर जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करने से मना कर दिया, जिसमें बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों पर लक्षित हिंसा से हिंदुओं की सुरक्षा की मांग की गई थी। सीजेआई खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने सुनवाई शुरू होते ही विदेशी मामलों और पड़ोसी देश के आंतरिक घटनाक्रमों के मुद्दों में हस्तक्षेप करने से साफ इंकार कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, सीजेआई खन्ना ने कहा, यह विदेश का मामला है और यह अदालत दूसरे देश के मामलों पर टिप्पणी नहीं कर सकती है? सुनवाई कर सीजेआई ने कहा, यह बहुत अजीब होगा अगर यह अदालत दूसरे देश के मामले में हस्तक्षेप करेगी। उन्होंने कहा, हम कैसे मामले में दखल दे दें, वह हमारा पड़ोसी देश है, उसके मामले में हस्तक्षेप नहीं कर सकते। इसके बाद पीठ की सलाह पर याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने जनहित याचिका वापस ले ली। इसके बाद पीठ ने याचिका खारिज कर दी। याचिकाकर्ता ने हिन्दुओं की सुरक्षा की मांग के अलावा बांग्लादेश से भागकर आए हिंदुओं के लिए नागरिकता के लिए आवेदन देने की समय सीमा बढ़ाने की भी मांग की थी। अर्जी में भारतीय विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय को बांग्लादेश में स्थित उच्चायोग के माध्यम से बांग्लादेश में निवासरत हिंदू अल्पसंख्यकों को मदद देने का निर्देश देने की भी मांग की गई थी। इसके अलावा पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ चल रहे अत्याचारों को रोकने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार बांग्लादेश पर वैश्विक दबाव बनाने की मांग भी की गई थी।

मौसम बदलेगा मिजाज, कई राज्यों में बरसेंगे बादल ; दिल्ली-यूपी का क्या होगा हाल?

नई दिल्ली। देश के कुछ राज्यों में मौसम विभाग की तरफ से बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक पूरे उत्तर भारत में मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। आईएमडी ने उत्तर-पश्चिमी भारत के कई हिस्सों में 25 से 28 फरवरी के बीच भारी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ इस अवधि के दौरान जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड को प्रभावित करेगा। इसके अलावा, उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में भी 26 से 28 फरवरी के बीच हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली में अगले कुछ दिनों तक आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। 25 फरवरी को सुबह हल्की धुंध रह सकती है, अधिकतम तापमान 27-29 डिग्री रहेगा। वहीं 26 फरवरी को हल्की बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने 27 फरवरी को तेज बारिश और गरज-चमक के साथ मौसम ठंडा रहेगा और अधिकतम तापमान 25-27 डिग्री तक गिर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद में 25 से 28 फरवरी के बीच भारी बारिश और बर्फबारी होगी। वहीं हिमाचल प्रदेश में 26 से 28 फरवरी और उत्तराखंड में 27 और 28 फरवरी को भारी बर्फबारी की संभावना है। मैदानी इलाकों में पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान में 26 फरवरी से 1 मार्च तक हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में ओलावृष्टि और आंधी-तूफान की भी चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक, बिहार, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में दिन का तापमान 1-4 डिग्री सेल्सियस तक गिरा है। वहीं उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना में भी कुछ इलाकों में हल्की ठंड महसूस की गई है। राजस्थान, झारखंड, कोंकण और तटीय आंध्र प्रदेश में दिन का तापमान सामान्य से 3-5 डिग्री अधिक दर्ज किया गया।

लावारिस बैग को खोलने पर हुआ धमाका, 4 लोग हुए घायल

कटिहार। बिहार के कटिहार जिले में सड़क किनारे पड़े लावारिस बैग को खोलने के दौरान विस्फोट हो गया। जिससे दो महिलाओं समेत चार लोग घायल हो गए। घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया और उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है। वहीं, विस्फोट वाले स्थल को सीज कर दिया गया है। फोरेंसिक विशेषज्ञों ने सबूत एकत्र कर लिए हैं और आगे की जांच जारी है। जल्द ही पूरे मामले का खुलासा कर लिया जाएगा। इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने दी। घटना के बाद आसपास हड़कंप मच गया। जिसके बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पूरे इलाके को सील कर दिया और जांच भी शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि बिहार के कटिहार जिले में एक बैग के अंदर रखे विस्फोटक में विस्फोट होने से दो महिलाओं समेत चार लोग घायल हो गए। यह घटना बलरामपुर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत लाथौर गांव में हुई। पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा ने बताया कि कम तीव्रता वाला विस्फोट सोमवार दोपहर करीब 1 बजे लाथौर गांव में हुआ. यहां सड़क किनारे रखे एक लावारिस बैग को कुछ लोग खोलने की कोशिश कर रहे थे।

भाजपा ने महाकुंभ को राजनीतिक इवेन्ट बना दिया : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हाल ही में बड़ा बयान दिया है जिसमें उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने महाकुंभ को राजनीतिक इवेन्ट बना दिया है और स्त्री, संतों, धर्माचार्यों और गरीबों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया है। उन्होंने कहा कि कुंभ की व्यवस्था के लिए केन्द्र और प्रदेश सरकारें को दो लाख करोड़ रूपये का कार्प्स फण्ड बनाना चाहिए ताकि गरीबों को उनकी सुविधा सुनिश्चित हो सके। उनके बयान के साथ ही उन्होंने केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की लड़ाई को भी उठाया और कहा कि इससे आम जनता को ठगा महसूस हो रहा है।

चाहे कोई नाराज हो या खुश, मैं भ्रष्ट लोगों की नियुक्ति को मंजूरी नहीं दूंगा

-महाराष्ट्र सीएम फडणवीस ने मंत्री कोकाटे के बयान का दिया जवाब

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस ने साफ कर दिया है कि वह मंत्रियों के कहने पर किसी भ्रष्ट निजी सहायकों और विशेष कार्य अधिकारी की नियुक्तियों को मंजूरी नहीं देंगे। कृषि मंत्री और अजित पवार गुट के वरिष्ठ नेता माणिकराव कोकाटे के बयान का जवाब देते हुए फडणवीस ने कहा कि चाहे कोई नाराज हो, लेकिन जिन अफसरों पर भ्रष्टाचार या गलत कामों के आरोप लगे हैं, उन्हें वह नियुक्त करने की मंजूरी नहीं देंगे।

बता दें माणिकराव कोकाटे ने सोमवार को एक कार्यक्रम में कहा था कि अब मंत्रियों के पीए और ओएसडी की नियुक्ति भी सीएम तय कर रहे हैं, जिससे उनके पास खुद के फैसले लेने की गुंजाइश नहीं है। इस बयान ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी। इसके जवाब में सीएम फडणवीस ने कहा कि राज्य में मंत्रियों के पीए और विशेष कार्य अधिकारियों की नियुक्ति का अधिकार सीएम के पास होता है। कोकाटे साहब को शायद यह जानकारी नहीं है कि यह कोई नई परंपरा नहीं है। कैबिनेट बैठक में साफ कर दिया गया था कि मंत्री अपने सुझाव भेज सकते हैं, लेकिन अगर उन पर गलत कामों का ठप्पा लगा है, तो वह मंजूरी नहीं देंगे।

सीएम फडणवीस ने बताया कि मंत्रियों की ओर से कुल 125 नाम भेजे गए थे, जिनमें से 109 को हरी झंडी दी गई है, लेकिन जिन पर संदेह था, उन्हें मंजूरी नहीं मिली। उन्होंने साफ कहा कि मैंने बाकी नामों को क्लीयर नहीं किया क्योंकि उन पर आरोप हैं और कुछ मामलों में जांच भी चल रही है। चाहे कोई नाराज हो या खुश, मैं ऐसे नामों को पास नहीं करूंगा।

इस बीच महाराष्ट्र विधान परिषद की उपाध्यक्ष और शिंदे गुट की शिवसेना नेता नीलम गोहे द्वारा उद्धव ठाकरे पर की गई टिप्पणी और फिर संजय राऊत के पलटवार से राजनीति गरमा गई है। इस पर फडणवीस ने कहा कि ऐसे राजनीतिक बयानों से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि साहित्य सम्मेलन में भी नफरत झलक रही है। वहां पीएम मोदी से लेकर उद्धव ठाकरे तक पर कटाक्ष किए गए है, लेकिन क्या ऐसे मंच का इस्तेमाल राजनीति के लिए करना सही है? उन्होंने यह भी कहा कि साहित्य मंचों पर सभी को संयम बरतना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि अगर राजनीतिक नेता साहित्य सम्मेलनों में जाते हैं, तो उन्हें अपनी राजनीतिक बयानबाजी पर भी रोक लगानी चाहिए।

योगी को महाकुंभ के दौरान मारे गए लोगों के परिवारों को मुआवजा देना चाहिए : ममता

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने महाकुंभ के दौरान भगदड़ में कई लोगों की मौत होने का आरोप लगाते हुए मांग की कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार पीड़ितों के परिवारों के लिए घोषित मुआवजा तत्काल जारी करे। बनर्जी ने इस दावे पर भी सवाल उठाया कि इस वर्ष महाकुंभ मेला 144 वर्षों के अंतराल के बाद हो रहा है तथा उन्होंने विशेषज्ञों से इस दावे की सत्यता की जांच करने का आग्रह किया। बनर्जी ने यहां राज्य सचिवालय में संवाददाताओं से कहा, ''मैं उत्तर प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग करती हूं कि चूंकि उन्होंने कुंभ मेले में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा की है, इसलिए उन्हें तत्काल यह राशि जारी करनी चाहिए।'' उत्तर प्रदेश सरकार ने कुंभ मेले के दौरान भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों को 25-25 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की थी।

सीएम स्टालिन की चिंता, जनसंख्या नियंत्रण होने से संसद की सीटें घट सकती

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने तमिलनाडु राज्य में जनसंख्या नियंत्रण के सफल उपायों के बाद संसद में सांसदों की संख्या में कमी को लेकर चिंता जाहिर की है। इस मुद्दे पर सीएम स्टालिन ने कहा, 'भारत का बड़ा लक्ष्य अपनी जनसंख्या को नियंत्रित करना था। तमिलनाडु ने इसमें बड़ी सफलता हासिल की है। लेकिन अब हम एक ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, जहां कम जनसंख्या के कारण तमिलनाडु में संसद की सीटें घट सकती हैं।'

स्टालिन ने जोर देकर कहा कि अगर जनसंख्या में कमी का यह सिलसिला जारी रहा, तब तमिलनाडु की संसद में प्रतिनिधित्व प्रभावित हो सकता है। वर्तमान में राज्य के 39 सांसद हैं, जो भविष्य में घटकर 31 तक रह सकते हैं।

इस बीच, बीजेपी नेता तमिलिसाई सौंदरराजन ने मुख्यमंत्री स्टालिन पर निशाना साधा। हाल ही में तमिलनाडु के पोल्लाची रेलवे स्टेशन पर नामपट्टियों पर हिंदी अक्षरों को कथित तौर पर द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) कार्यकर्ताओं द्वारा काले रंग से मिटाने की घटना के बाद उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी अब भाषा की राजनीति से फायदा नहीं उठा सकती।

सीएम स्टालिन को दी खुली चुनौती

तमिलिसाई ने कहा, मैं डीएमके कार्यकर्ताओं के रवैये की निंदा करती हूं, जिन्होंने हिंदी शब्दों को काले टार से मिटा दिया। यह सार्वजनिक संपत्ति है। उत्तर भारत से लोग भी इस राज्य में आते हैं। रेलवे सभी राज्यों को जोड़ता है। आपको हिंदी शब्दों को मिटाने का क्या अधिकार है? मैं स्टालिन को खुली चुनौती देती हूं कि वे बताएं कि उनके और उनके मंत्रियों के परिवारों के कितने बच्चे सिर्फ दो भाषाएं सीख रहे हैं। और आपके सभी मंत्री, जिनमें आपके परिवार के लोग भी शामिल हैं, सीबीएसई स्कूल क्यों चला रहे हैं?'

दिल्ली में नई बीजेपी सरकार जल्द लॉन्च करेगी महिला समृद्धि योजना

-महिला समृद्धि योजना में किन महिलाओं को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई सरकार के गठन के बाद दिल्ली में महिला समृद्धि योजना की स्कीम जल्द लॉन्च हो सकती है। दिल्ली में बीजेपी सरकार इसके लिए तैयारियों में जुट गई है। इसको लेकर सीएम रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को लेकर बैठक की और योजना को लागू करने के लिए नियम एवं शर्तें तय करने को कहा। पीएम मोदी ने चुनाव के दौरान ऐलान किया था कि 8 मार्च को महिला दिवस पर दिल्ली की महिलाओं को इसकी पहली किस्त दी जाएगी। अब दिल्ली की सीएम रेखा ने इस बात को दोहराया है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी ने अपने संकल्प पत्र में वादा किया था कि इस योजना के तहत के गरीब महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए की आर्थिक मदद दी जाएगी। योजना को लेकर अभी नियम और शर्तें तय होना बाकी है। इससे पता चलेगा कि इस योजना का लाभ किसे मिलेगा और किसे नहीं।

फिलहाल यह साफ हो गया है कि जिन परिवारों की आर्थिक स्थिति अच्छी है। उन्हें इसमें शामिल नहीं किया जाएगा। यह योजना जरूरतमंद महिलाओं के लिए है। यदि आप दिल्ली की मतदाता हैं और परिवार की आर्थिक हालत ठीक नहीं है तो योजना के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू होने से पहले कुछ जरूरी काम कर लें। इस योजना के तहत पैसे सीधे बैंक खाते में भेजे जाएंगे। इसलिए बैंक खाता आपके नाम होना जरूरी है।

यह भी तय किया गया है कि बैंक खाते के साथ आपका अपना पर्सनल मोबाइल नंबर जुड़ा हो। कई बार पुराना मोबाइल नंबर जुड़ा रहता है, यदि आपके साथ भी ऐसा है तो बैंक जाकर अपना नंबर अपडेट करा सकती हैं। अगर आपने बैंक खाते में लंबे समय से कोई लेनदेन नहीं किया है कि तो यह तय कर ले कि आपका अकाउंट चालू या नहीं। ब्रान्च में जाकर केवाईसी भी करा सकती हैं। अगर आपके आधार के साथ मोबाइल नंबर लिंक नहीं है या फिर अपडेट नहीं है तो ऐसा जरूर कर लें।

दिल्ली सरकार की यह योजना गरीब महिलाओं के लिए है। अभी यह साफ नहीं किया गया है कि इसके लिए आय की सीमा क्या होगी।

मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों की बीजेपी सरकारों ने यह सीमा 2.5 लाख रुपए सालाना रखी है। दिल्ली में अभी इसका ऐलान नहीं हुआ है। ऐसे में आपके परिवार की आमदनी कम है तो आय प्रमाणपत्र बनवाकर रख लें।

अब भारत और बांग्लादेश के बीच शुरु हुई नौंक झौंक, ये रही मूल वजह

नई दिल्ली/ढाका (एजेंसी)। अब भारत और बांग्लादेश के बीच तीखी नौंक झौंक भी शुरु हो गई है। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के बयान पर बांग्लादेश ने भी जवाब दिया है। बांग्लादेश ने कहा है कि हमारे मुल्क के अल्पसंख्यकों की चिंता भारत को नहीं होनी चाहिए। साथ ही बांग्लादेश ने भी भारत को संबंधों पर अपना रुख साफ करने के लिए कहा है। जयशंकर ने कहा था कि बांग्लादेश को साफ करना चाहिए कि वह भारत के साथ कैसा रिश्ता रखना चाहता है। अंतरिम सरकार में विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने कहा, जयशंकर ने एक बार फिर अल्पसंख्यकों के बारे में बात की है। हालांकि, अल्पसंख्यकों का मुद्दा मुख्य रूप से भारतीय मीडिया की तरफ से तोड़ मरोड़ की गई जानकारी से उठा है। सबसे जरूरी बात यह कि बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों का मुद्दा भारत की चिंता का विषय नहीं होना चाहिए। बांग्लादेश के अल्पसंख्यक बांग्लादेश का मुद्दा है। वैसे ही जैसे भारत अपने अल्पसंख्यकों के साथ कैसा बर्ताव करता है, यह भारत की चिंता है। तौहीद ने बयानों को लेकर कहा, जब यहां कि लोगऐसे टिप्पणियां कर रहे हैं, तो वहां भी लोग हैं जो ऐसा काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, उनके एक मुख्यमंत्री ने तो यह तक सलाह दे दी थी कि अगर संभव हो तो संयुक्त राष्ट्र की पीस कीपिंग फोर्स को बांग्लादेश भेजा जाना चाहिए। उनके एक केंद्रीय मंत्री लगातार बांग्लादेश विरोधी बयान देते रहते हैं। यह ठीक है। हमारा मानना है कि ऐसी चीजें चलती रहेंगी, लेकिन फिर भी हम अच्छे रिश्ते चाहते हैं। उन्होंने कहा, इस बात पर फोकस करना कि यहां और वहां कुछ लोग क्या कह रहे हैं, इससे बेहतर है कि हम हमारा रिश्ता मजबूत करने की ओर काम करें।

महाकुंभ में कुछ लोगों ने नैतिकता, सत्यनिष्ठा और मानवीय संवेदनाओं को खो दिया

-सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बिना नाम लिए सीएम योगी पर साधा निशाना

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सीएम योगी आदित्यनाथ का नाम लिए बैगर कहा कि अशोभनीय कथन बताते हैं कि नकारात्मकता चरम पर हो तो देश, काल, स्थान की गरिमा का खयाल न करते हुए मानसिकता शब्दों के रूप में प्रकट होती है। अखिलेश ने सोमवार रात अपने आधिकारिक एक?स पर पोस्ट में कहा...लेकिन महाकुंभ में जिन्होंने अपनों को तलाशा, उन्हें हमेशा के लिए खो गए अपने परिजन का नाम न तो मृतकों की सूची में मिला और न ही खोया-पाया के रजिस्टर में।

पोस्ट में उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने महाकुंभ में राजनीतिक अवसरवाद को तलाशा और उनको आत्म प्रचार का माध्यम मिला, लेकिन उन्होंने अपनी नैतिकता, सत्यनिष्ठा और मानवीय संवेदनाओं को खो दिया और वाणी पर संतुलन को भी। सपा प्रमुख ने कहा कि 'महाकुंभ' जैसे पावन पर्व के संबंध में बोलते समय शब्दों का चयन, इस अवसर के मान और प्रतिष्ठा के अनुकूल होना चाहिए।

अखिलेश ने तंज कसते हुए कहा कि महाकुंभ में कई बार जाकर भी जिनका वैचारिक उद्धार नहीं हुआ, उनके पाप और पतन की सीमा भला कौन नाप सकता है। ऐसे कथनों से जिन सुधीजनों को ठेस पहुंची है, उनसे निवेदन है कि ऐसे लोगों के प्रति सहानुभूति की भावना रखें न कि आक्रोश की।ज्सन्मति दे भगवान! सोमवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के बजट सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन-?यवाद प्रस-?ताव पर बोलते हुए समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि कुंभ में जिसने जो तलाशा, उसे वही मिला। गिद्धों को केवल लाश मिली, सुअरों को गंदगी मिली, संवेदनशील लोगों को रिश्तों की खूबसूरत तस्वीर मिली, आस्था वालों को पुण्य मिला, गरीबों को रोजगार मिला, अमीरों को धंधा मिला, श्रद्धालुओं को साफ-सुथरी व्यवस्था मिली, भक्तों को भगवान मिले। मतलब सबने अपने-अपने स्वभाव और चरित्र के अनुसार चीजों को देखा है। सीएम ने सपा पर निशाना साधते हुए कहा था कि जिन लोगों ने अपने समय में इस पूरे आयोजन को अव्यवस्था और भ्रष्टाचार का शिकार बनाया था, आज वह महाकुंभ पर इस प्रकार की टिप्पणी करके भारत की भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

पश्चिम बंगाल और ओडिशा में सुबह-सुबह 5.1 की तीव्रता वाला आया भूकंप, डोलने लगी धरती

कोलकाता (एजेंसी)। भारत में आए दिन भूकंप के झटके महसूस किए जा रहे हैं। अभी दिल्ली में तेज आवाज के साथ आए भूकंप की दहशत कम भी नहीं हुई थी कि मंगलवार सुबह 6:10 बजे कोलकाता में 5.1 की तीव्रता वाले भूकंप ने झटके दे दिए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, इसका केंद्र बंगाल की खाड़ी में था। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में भी लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए। एनसीएस ने बताया कि भूकंप आज सुबह 6:10 बजे 91 किलोमीटर की गहराई पर आया। अभी तक किसी तरह के जान और माल के नुकसान की जानकारी नहीं मिली है। वहीं मंगलवार सुबह ओड़िशा के कई शहरों में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए, जिससे लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र बंगाल की खाड़ी में स्थित था और इसका असर पुरी, बरहामपुर, बालासोर और भुवनेश्वर समेत कई इलाकों में देखा गया। नेशनल सेंटर फॉर सिसमोलॉजी के अनुसार, भूकंप पुरी से लगभग 286 किमी और बरहामपुर से 394 किमी दूर था। हालाँकि, इसकी गहराई अधिक होने के कारण बड़े नुकसान की कोई खबर नहीं आई है।

इससे पहले, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 17 फरवरी की सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे। भूकंप का केंद्र धौला कुआं के झील पार्क क्षेत्र में 5 किलोमीटर की गहराई में था और वहां कुछ लोगों को भूकंप के बाद तेज आवाजें सुनीं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के निदेशक ओपी मिश्रा ने कहा कि धौला कुआं क्षेत्र में 2007 में 4.6 तीव्रता का भूकंप आया था। हालांकि, इसका प्रभाव उतना तीव्र नहीं था क्योंकि केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में था। दिल्ली को भूकंपीय क्षेत्र-4 में रखा गया है, जो देश में दूसरा सबसे खतरे वाला क्षेत्र है। उत्तर भारत में दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में सबसे अधिक भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। भूकंप संभावित दूरस्थ और निकटस्थ स्थानों में भूकंप आने पर भी दिल्ली में झटके महसूस किए जाते हैं।

रविवार को हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। अधिकारियों ने बताया कि जिले के कई हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए, हालांकि जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, भूकंप सुबह 8 बजकर 42 मिनट पर आया और इसकी तीव्रता 3.7 थी। इसका केंद्र मंडी क्षेत्र में 31.48 डिग्री अक्षांश और 76.95 डिग्री देशांतर पर था। सुंदरनगर क्षेत्र में कि आर्गी के पास भूकंप 7 किलोमीटर की गहराई पर केंद्रित था। मंडी जिला भूकंपीय क्षेत्र 5 में आता है, जो कि उच्च जोखिम वाला क्षेत्र है।

2024 में 54 देशों ने 296 बार इंटरनेट किया बंद, भारत में 84 बार हुआ

-पाकिस्तान में 21, रूस में 13, यूक्रेन में 7 और बांग्लादेश में 5 बार शटडाउन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहली बार ऐसा हुआ है कि दुनिया में इंटरनेट बंद करने के मामले में भारत पहले नंबर पर नहीं है। हालांकि अभी दूसरा नंबर है। भारत में इंटरनेट शटडाउन में कमी आई है। मणिपुर हिंसा और पिछले साल हरियाणा के नूंह में साम्प्रदायिक हिंसा को हटा दें तो भारत में बहुत ही कम इंटरनेट बंद किया गया है। चिंता की बात यह है कि भारत अभी भी अपने पड़ोशी देशों से इस मामले में काफी पीछे है। 2018 के बाद पहली बार 2024 में भारत एक साल में इंटरनेट शटडाउन के मामले में दुनिया में आगे नहीं रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल म्यांमार में सबसे ज्यादा 85 शटडाउन के आदेश दिए गए। भारत में पिछले साल 84 ऐसे आदेश लागू हुए थे।

बता दें दुनिया में इंटरनेट शटडाउन की कुल संख्या 2023 में 39 देशों द्वारा 283 शटडाउन से बढ़कर 2024 में 54 देशों द्वारा 296 शटडाउन हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि म्यांमार के ठीक पीछे भारत है। यहां 84 बार शटडाउन हुआ। भारत में संप्रदायिक संघर्ष, विरोध और अस्थिरता, सांप्रदायिक हिंसा, परीक्षाओं और चुनावों में नकल रोकने के लिए इंटरनेट सेवाएं बंद की गईं। 41 इंटरनेट शटडाउन विरोध प्रदर्शनों से संबंधित थे। 23 सांप्रदायिक हिंसा से संबंधित थे। 2024 में 16 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश इंटरनेट शटडाउन से प्रभावित थे, जिनमें मणिपुर (21), जम्मू-कश्मीर (12) और हरियाणा (12) सबसे आगे थे। रिपोर्ट में बताया है कि मणिपुर में जातीय तनाव एक प्रमुख कारण था।

भारत के बाद पाकिस्तान में 21 बार इंटरनेट बंद हुआ। रूस में 13 बार, यूक्रेन में 7 बार, फिलिस्तीन में 6 बार और बांग्लादेश में 5 बार। पाकिस्तान ने 8 फरवरी को चुनाव के दिन, देशभर में एक्स सिग्नल और ब्लूस्काई को ब्लॉक किया गया था और मोबाइल बंद कर दिया था। 8 देशों ने सीमा पार शटडाउन लगाया, जिससे 13 देश प्रभावित हुए। यूक्रेन में रूस द्वारा शटडाउन के 7 मामले दर्ज किए थे। ये यूक्रेन के इंटरनेट सेवा प्रदाताओं पर साइबर हमले और यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर कम से कम छह बार मिसाइल हमलों के कारण इंटरनेट बाधित हुआ था।

राष्ट्रीय एकता और अखण्डता के प्रतीक हैं देवाधिदेव शिव

महाशिवरात्रि

योगेश कुमार गोयल

महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। इस दिन शिवलिंग का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, बेलपत्र, धतूरा, भांग एवं शहद अर्पित करने से विशेष फल प्राप्त होता है। मान्यता है कि इस दिन जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

भगवान शिव के प्रति श्रद्धा और भक्ति व्यक्त करने का विशेष अवसर है महाशिवरात्रि, जो भगवान शिव और माता पार्वती के मिलन का दिन माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से भक्तों की समस्त मनोकामनाएं पूरी होती हैं और महाशिवरात्रि का व्रत रखने से पापों का नाश होता है, मानसिक शांति, आध्यात्मिक ऊर्जा और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। प्रतिवर्ष फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व इस वर्ष 26 फरवरी को मनाया जा रहा है। महाशिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। भारत में धार्मिक मान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि का बहुत महत्व है। यह आध्यात्मिक चरम पर पहुंचने का सुअवसर है। महाशिवरात्रि को शिव तत्व को आत्मसात करने, नकारात्मक ऊजाओं को समाप्त करने और आध्यात्मिक उत्थान प्राप्त करने का सबसे उत्तम अवसर माना जाता है।

महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। इस दिन शिवलिंग का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, बेलपत्र, धतूरा, भांग एवं शहद अर्पित करने से विशेष फल प्राप्त होता है। मान्यता है कि इस दिन जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। इस रात्रि को जागरण करने वाले भक्तों को अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है और उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। शिवपुराण के अनुसार, इस दिन विधिपूर्वक व्रत रखने और रात्रि जागरण करने से समस्त पापों का नाश होता है और भक्तों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में कहा गया है कि महाशिवरात्रि की रात्रि में चार प्रहर की पूजा का विशेष महत्व है, जिसमें हर प्रहर में शिवलिंग का अलग-अलग द्रव्यों से अभिषेक किया जाता है, पहले प्रहर में जल, दूसरे प्रहर में दही, तीसरे

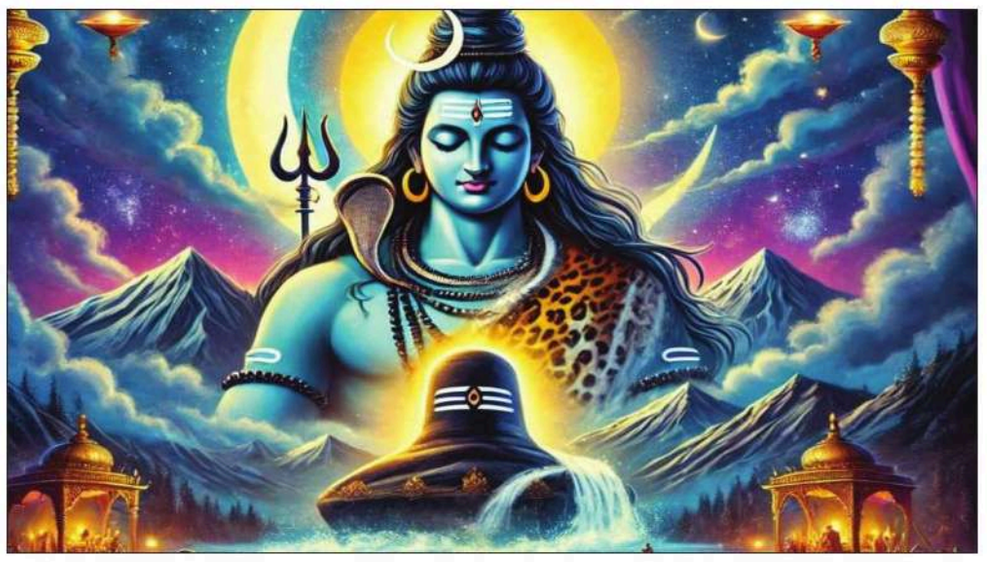

प्रहर में घी और चौथे प्रहर में शहद से अभिषेक करने का विधान है।

धर्मग्रंथों में भगवान शिव को ह्यकालों का काल' और ह्यदेवों का देव' अर्थात् 'महादेव' कहा गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं। देवाधिदेव भगवान शिव के समस्त भारत में जितने मंदिर अथवा तीर्थ स्थान हैं, उतने अन्य किसी देवी-देवता के नहीं। आज भी समूचे देश में उनकी पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है। सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है?

इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है, ह्यह्यजिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। महासमुद्र रूपी शिव ही एक अखंड परम तत्व हैं, इन्हीं की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं, यही सर्वव्यापक और सर्वशक्तिमान हैं, यही व्यक्त-अव्यक्त रूप से ह्यसगुण ईश्वर' और 'निर्गुण ब्रह्म' कहे जाते हैं तथा यही परमात्मा, जगत आत्मा, शम्भव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव, रूद्र आदि कई नामों से संबोधित किए जाते हैं।'

शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे ह्यनीलकंठह्ल के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए। धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

(लेखक 35 वर्षों से साहित्य और पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

मेलोनी का मास्टर स्ट्रोक

इटली की प्रधानमंत्री जार्जिया मेलोनी ने वाशिंगटन में आयोजित कंजर्वेटिव पॉलटिक्स एक्शन कांफ्रेंस में वामपंथ की खुलकर आलोचना करते हुए रूढ़िवादी बातों पर जोर दिया। वीड़ियो लिंक द्वारा दिये भाषण में मेलोनी ने कहा 90 के दशक में बिल क्लिंटन और टोनी ब्लेयर के वैश्विक वामपंथी उदारवादी नेटवर्क बनाने पर उन्हें अनुभवी व प्रतिष्ठित राजनेता कहा गया। आज जब ट्रंप, मेलोनी, (अजंर्टीना के राष्ट्रपति जेवियर) माइली या शायद (नरेन्द्र) मोदी बात करते हैं तो उन्हें लोकतंत्र के लिए खतरा कहा जाता है। मेलोनी ने कहा यह दोहरा मापदंड है, लेकिन हम इसके आदी हो चुके हैं। अच्छी बात यह है कि वे हम पर चाहे जितना कीचड़.उछालें, लोग उनके झूठ पर अब भरोसा नहीं करते। आगे उन्होंने कहा, ट्रंप की जीत से वामपंथी घबराये हुए हैं। उदारवादी नेटवर्क के तौर पर वर्णित संगठन की तीखी आलोचना करते हुए उन्होंने वामपंथियों पर पाखंड़ करने और विश्व स्तर पर रूढ़िवादी नेताओं के उदय पर उन्मादी प्रक्रियाओं पर सीधे वार किए। अति दक्षिणपंथी ब्रदर्स ऑफ इटली पार्टी की नेता मेलोनी के ये तेवर रोम में उनके राजनैतिक विरोधियों के लिए यह सांप लोटने सरीखा है। मेलोनी के विचारों से ट्रंप की यूरोप के प्रति अमेरिकी नीति में बदलाव तथा यूरोपीय सहयोगियों के दरम्यान तनावपूर्ण संबंधों को सुधारने के संकेत स्पष्ट नजर आते हैं। यूरोप के व्यापार असंतुलन व टैरिफ बढ़ाने के ऐलान के बाद से नया विवाद जारी है। कहा जा सकता है कि नये अमरीकी प्रशासन को वह किसी भी कीमत पर नाराज करने को राजी नहीं हैं। इस कांफ्रेंस का मकसद ही दुनिया में रूढ़िवादियों की सबसे बड़ी व प्रभावशाली सभा के रूप में दुनिया के समक्ष अपनी ताकत का इजहार करना है। तय रूप से वर्तमान समय में मेलोनी या अन्य रूढ़िवादी नेताओं ने वामपंथियों पर तीखे वार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। वे जनता के समक्ष उदारवादियों की कलई उतारने और संगठित रूप से अपनी जड़े.मजबूत करने के प्रति प्रतिबद्ध नजर आ रहे हैं। व्यापक प्रचार व तीखे तेवरों के भरोसे वे अपने मकसद में काफी हद तक सफल भी होते जा रहे हैं। विचारणीय है कि बीते दशक में यूरोप में रूढ़िवादी व दक्षिणपंथियों का दबदबा बढ़ता जा रहा है। इस पर चिंता भले ही जताई जा रही है, परंतु मतदाताओं की बदलती विचारधारा पर गहन विश्लेषण की जरूरत को भी बरगलाया जाना अनुचित नहीं कहा जा सकता। मेलोनी के तेवरों से रूढ़िवादियों को सीना चौड़ा करने का फिर से सुनहरा मौका हाथ लगा है।

आस्था का महापर्व- प्रयागराज, काशी, अध्योध्या में भक्तों का सैलाब

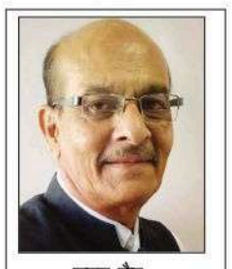

सनत जैन

आस्था के महापर्व में प्रयागराज, बनारस और अयोध्या में भक्तों की भारी भीड़ पहुंच रही है। जनवरी और फरवरी का महीना आस्था के महापर्व के रूप में मनाया गया है। प्रयागराज मे महाकुंभ के आयोजन में करोड़ों भक्तों की आस्था देखने को मिली। 12 जनवरी से 26 फरवरी के बीच विभिन्न पर्वों के दौरान प्रयागराज में भक्तों का बड़ी संख्या में आगमन हुआ। 200 किलोमीटर दूर तक जाम लग गया। भगदड़ भी मची। आगजनी की घटनाएं भी हुईं लेकिन भक्तों की आस्था कम नहीं हुई। विभिन्न राज्यों से तथा विदेशों से बड़ी संख्या में भक्त प्रयागराज पहुंचे। भक्तों को कितनी भी कठिनाई हुई, उसकी किसी ने शिकायत नहीं की। अपनी आस्था के केंद्र बिंदु में जिस प्रयोजन के लिए वह वहां पहुंचे थे उसका उन्होंने आस्था के साथ जुड़कर कार्य को पूर्ण किया है। अब महाकुंभ समाप्ति की ओर है। इसके बाद भी भक्तों का रेला प्रयागराज में बना हुआ है। पहले ऐसा लग रहा था, समापन के अवसर पर भक्तों की भीड़ कम होगी, लेकिन इसके विपरीत भक्तों का आगमन बड़ी संख्या में अभी भी जारी है। 25 फरवरी तक प्रयागराज में भक्तों की जो भीड़ देखने को मिली है, वह अपने आप में आश्चर्य पैदा करने वाली है। प्रयागराज के साथ-साथ अब भक्तों की भीड़ बनारस और अयोध्या में बाबा विश्वनाथ और भगवान राम के दर्शन के लिए जा रही है। महाशिवरात्रि के लिए भव्य और ऐतिहासिक आयोजन की तैयारी बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में की गई है। महाशिवरात्रि पर बाबा विश्वनाथ भक्तों को लगातार 46 घंटे से अधिक समय तक दर्शन देंगे। 26 फरवरी की सुबह मंगला आरती के बाद से बाबा महाकाल के दर्शन भक्तों को मिलना शुरू हो जाएंगे। 28 फरवरी की रात 1 बजे तक बाबा विश्वनाथ के दर्शन भक्तों को होंगे। बनारस में लाखों की संख्या में भक्त हर घंटे पहुंच रहे हैं। पहली बार शिव बारात महाशिवरात्रि के 1 दिन बाद निकालने का निर्णय आयोजन समिति और जिला प्रशासन द्वारा किया गया है। भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए इस बार महाशिवरात्रि के पर्व पर बाबा विश्वनाथ की बारात नहीं निकलेगी। बाबा अपने मंदिर में ही भक्तों को दर्शन देंगे। बनारस में इन दिनों 20 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए 25 फरवरी के बाद से 2 दिन तक वाहनों का प्रवेश बनारस में बंद कर दिया गया है। बाबा विश्वनाथ के सुगम दर्शन हों, इसके लिए वीआईपी व्यवस्था बंद कर दी गई है। सभी भक्त लाइन में लगकर बाबा के दर्शन करेंगे। महाकुंभ के अवसर पर संगम तट पर जो भी श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाने पहुंचे थे, अब वे हनुमान जी और बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर अयोध्या जाकर भगवान राम के दर्शन कर रहे हैं। जिसके कारण तीनों ही स्थान पर भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। आस्था के इस महापर्व पर जिस तरह से भक्तों की भीड़ उमड़ी है उसको देखकर सभी आश्चर्यचकित हैं। भक्तों की भारी भीड़ से स्पष्ट है, भारत में धार्मिक आस्था, भक्तों के दिलो और दिमाग में सबसे ऊपर है। भारी भीड़ और अव्यवस्था के बाद भी करोड़ों की संख्या में भक्त धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर अपनी आस्था का प्रदर्शन कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार का दावा है कि 60 करोड़ से अधिक लोग महाकुंभ में आकर संगम में डुबकी लगा चुके हैं। प्रयागराज, बनारस और अयोध्या में इन दिनों दूध, सब्जियां दवाओं, ईंधन, खाने-पीने के सामान की भारी कमी देखने को मिल रही है। आपातकालीन सेवाओं को लेकर भी भारी अफरा-तफरी मची हुई है। इसके बाद भी भक्तों की आस्था का सैलाब कम नहीं हो रहा है। महाकुंभ का समापन 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के साथ हो जाएगा। इसके बाद भी तीनों धार्मिक स्थलों पर भक्तों की भीड़ कई दिनों बाद तक बनी रहेगी। भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन भक्तों से दर्शन कर-के अपने-अपने गन्तव्य स्थान पर जाने का अनुरोध कर रहे हैं। जिस संख्या में श्रद्धालु धार्मिक स्थलों पर पहुंच रहे हैं उस संख्या को देखते हुए, यही कहा जा सकता है, कि किसी भी व्यवस्था को बनाए रखना व्यवस्थापकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती होती है। अव्यवस्था के बीच व्यवस्था किस तरह से बनती है, इसका श्रेय भक्तों के ऊपर जाता है। भक्तों ने अपनी आस्था को आधार बनाकर हर असुविधा और अपनी तकलीफ को सहज रूप से स्वीकार कर लिया। भक्त अपने जिस लक्ष्य को लेकर वहां पहुंचे थे। उसके अलावा अन्य किसी ओर भक्तों ने ध्यान नहीं दिया। जिसके कारण अव्यवस्था के बीच किस तरह से व्यवस्था स्वमेव बनती चली जाती है, यह महाकुंभ इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।

मुद्दा : कतर से दोस्ती इसलिए है जरूरी

गिरीश पांड़े

कतर के शेख तमीम बिन हमद अलझथानी की हालिया 17 से 18 फरवरी,2025 की दो दिवसीय भारत की आधिकारिक यात्रा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बुलावे पर की गई थी और वह 2015 के बाद दूसरी बार भारत पहुंचे। उन्हें प्रधानमंत्री स्वयं प्रोटोकॉल तोड़ खुद एयरपोर्ट पर रिसीव करने गए थे। इससे सहज ही दोनों देशों के बीच संबंधों की उष्णता का पता चलता है। भारत-कतर संबंधों की अहमियत का पता इस बात से भी चलता है कि कतर की आबादी लगभग 29 लाख है, और वहां 8 लाख 35 हजार के आसपास भारतीय मौजूद है।

कहने को कतर क्षेत्रफल के लिहाज से त्रिपुरा के बराबर एक छोटा देश है, लेकिन कतर लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) और पेट्रोलियम उत्पादों का सबसे बड़ा निर्यातक है और भारत की ऊर्जा की जो भी जरूरतें रहती हैं, उसे काफी हद तक यह छोटा कतर ही पूरा कर रहा है। इसलिए ऊर्जा सहयोग भारत-कतर संबंधों का एक प्रमुख आधार बना हुआ है। इसके अलावा, वहां जो भारतीय काम करते हैं, वे हर साल भारत को तो अरबों रु पये भेजते ही हैं, साथ ही कतर की अर्थव्यवस्था में भी महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इस प्रकार कतर में यह भारतीय समुदाय दोनों देशों के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करता है। कतर भारत पर काफी भरोसा करता है। इसलिए चीन और जापान के बाद भारत कतर का तीसरा बड़ा व्यापारिक भागीदार है। साल 2017 कोई भूला नहीं है जब मिडल ईस्ट के कई देशों ने कतर का बॉयकॉट कर दिया था, उस पर आरोप लगा था कि वो आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। उसकी धरती से आईएस जैसे संगठन ऑपरेट कर रहे हैं। उस समय सऊदी अरब ने बड़े मिशन के तहत कतर के विमानों की अपने देश में एंट्री तक बैन करवा दी थी, लेकिन भारत ने उस समय समझदारी दिखाते हुए कूटनीति का परिचय दिया जहां पर सिर्फ कुछ समय के लिए कतर के साथ व्यापार को स्थगित किया गया, लेकिन जैसे ही स्थिति सामान्य हुई, फुल स्पीड में फिर ट्रेड को आगे बढ़ाया गया। ऐसे संकट के समय भारत ने कतर को बायकॉट करने के बजाय सहारा देने का काम किया था जिसे कतर भूला नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अ-थानी के बीच नई दिल्ली में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के दौरान दोनों देशों ने व्यापार, ऊर्जा, निवेश, नवाचार, प्रौद्योगिकी, खाद्य सुरक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण साझेदारी बढ़ाने का फैसला किया है। दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और लोगों से लोगों के संबंधों पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत-कतर के द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने का फैसला किया है। इससे व्यापार, निवेश और ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग को और मजबूती मिलेगी। हाल के वर्षों में खाड़ी देशों के साथ भारत के रिश्तों में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) के देशों में सऊदी अरब, यूएई, ओमान और कुवैत के बाद कतर पांचवां देश है, जिसके साथ भारत ने रणनीतिक साझेदारी समझौता किया है। दोनों देशों ने अगले पांच वषाड्ड में आपसी व्यापार को वर्तमान 14.08 अरब डॉलर से बढ़ाकर 28 अरब डालर करने का लक्ष्य भी रखा है। कतर ने भारत के प्रमुख क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने में रु चि व्यक्त की है। अभी कतर भारत को एलएनजीऔर तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता हैड्ड लेकिन अब रणनीतिक साझेदारी के तहत व्यापार इससे आगे भी बढ़ाया जाएगा। इससे आने वाले समय में कतर भी संयुक्त अरब अमीरातड्ड सऊदी अरबड्ड ओमान और कुवैत की तरह भारत के करीबी व्यापारिक सहयोगियों में शामिल हो जाएगा। भारत में कतर का मौजूदा निवेश देखें तो कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी ने पहले ही भारत में खुदराड्ड विद्युत क्षेत्रड्ड सूचना प्रौद्योगिकीड्ड शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाड्ड किफायती आवास में १.५ अरब डालर का निवेश किया है॥ भविष्य में बुनियादी ढांचा और बंदरगाह जहाज निर्माणड्ड नवीकरणीय ऊर्जा और स्मार्ट सिटी फूड पार्क और स्टार्टअप्सड्ड एआईड्ड रोबोटिक्सड्ड मशीन लर्निग जैसी नई प्रौद्योगिकि निवेश के संभावित क्षेत्र कहे जा सकते हैं। कतर की कंपनियों ने देश के तकनीकीड्ड बुनियादी ढांचे और विनिर्माण उद्योगों में महत्वपूर्ण निवेश किया हैड्ड जबकि भारतीय कंपनियों ने कतर में एक मजबूत उपस्थिति दर्ज की है। निःसंदेह कतर के अमीर की भारत यात्रा ने दोनों देशों के बीच एक गहरी और बहुआयामी साझेदारी के लिए मंच तैयार कर दिया है। रणनीतिक क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करकेड्ड भारत और कतर महत्त्वपूर्ण लाभ प्राप्त करने के लिए तैयार हैं, जिससे उनके लंबे समय से चले आ रहे संबंध और मजबूत होंगे और क्षेत्रीय एवं वैश्विक स्थिरता में योगदान मिलेगा। हम उम्मीद करेंगे कि भारत और कतर को नवाचार, प्रौद्योगिकी और स्टार्टिअप के क्षेत्र में और अधिक सहयोग बढक्षने के लिए आगे आना चाहिए जिससे हेल्थ केयर, ऊर्जा, पर्यटन एवं शिक्षा जैसे विभिन्न क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग का लाभ दोनों देशों को मिल सके।

चिंतन-मनन

सोच समझकर हो प्रशंसा

अक्सर जब तुम प्रशंसा करते हो तो किसी और की तुलना में करते हो। किसी एक की प्रशंसा करने में हम किसी दूसरे को नीचा दिखाते हैं और किसी की गलती को दशार्ने के लिए हम दूसरे की प्रशंसा करते हैं। कुछ लोग प्रशंसा करने में कंजूस होते हैं और कुछ शर्मीले। कुछ लोगों को प्रशंसा करनी नहीं आती और प्रशंसा करना भूल जाते हैं। कुछ व्यक्ति मतलब के लिए प्रशंसा करते हैं और कुछ तुम्हें उठाने के लिए। कुछ और लोग अपने आत्मविश्वास की कमी को छुपाने के लिए स्वयं की प्रशंसा करते हैं। किन्तु वास्तविक प्रशंसा उन्नत चेतना की अवस्था से निकलती है। जो प्रशंसा उन्नत चेतना की अवस्था से आती है, वह स्वरूप से आती है और बिल्कुल भिन्न होती है। साधारणतः प्रशंसा लालसा और दम्भ से आती है। उन्नत चेतना की अवस्था से आई प्रशंसा पूर्णता से उभरती है। निःसंदेह प्रशंसा चेतना को उभारती है और उत्साह व ऊर्जा लाती है। परंतु साथ ही यह घमंड भी ला सकती है।

प्रशंसा करना भी एक कौशल है। जब कोई तुम्हारी प्रशंसा करता है, तो क्या तुम बिना शर्माए उसे स्वीकार करते हो? बिना शर्माए प्रशंसा को स्वीकार करना भी एक कुशलता है। तुम किसी की प्रशंसा कब करते हो? जब वे कुछ अनोखा करते हैं, असाधारण, जो उनके स्वभाव के अनुसार नहीं है। जब एक दुष्ट व्यक्ति कोई समस्या पैदा नहीं करता, तब तुम उसकी तारीफ करते हो। या कोई व्यक्ति जिसे भला नहीं समझते, जब कुछ नेक काम करता है, तब तुम उसकी प्रशंसा करते हो। जब कोई भला आदमी अत्यन्त असाधारण काम करता है, तब तुम उसकी प्रशंसा करते हो।

यदि कोई बच्चा एक प्याली चाय बनाता है तो तुम प्रशंसा करते हो, परंतु वही एक प्याली चाय यदि मां बनाए तो तुम शायद तारीफ न करो, क्योंकि उसके लिए यह नियमित कार्य है। इन सभी स्थितियों में जिन कार्य की तुम प्रशंसा करते हो, वे अल्पकालिक हैं, उनके आचरण से अलग या उनके स्वभाव के विपरीत। तो जब तुम किसी चीज के लिए किसी की प्रशंसा करते हो, तुम संकेत करते हो कि वे लोग साधारणतः ऐसे नहीं हैं। इसका मतलब है कि वह कार्य उनके स्वभाव में नहीं और इसीलिए वे अपनी प्रशंसा चाहते हैं- यह एक विरला गुण या कृत्य है। प्रशंसा एक अलगाव के भाव, एक दूरी को इंगित करती है, इसीलिए प्रशंसा करते समय सावधान रहो।

मेडिकल रिप्रेजेन्टेटिव सदाबहार कॅरिअर

जैसे-जैसे मल्टी नेशनल कंपनियां भारतीय दवा बाजार में पैर फैला रही हैं वैसे-वैसे हर कंपनी आक्रामक विपणन नीति का सहारा ले रही है। इसके लिए दवा कंपनियां मेडिकल रिप्रिजेंटिव की नियुक्ति करती हैं जो चिकित्सक, दवा कंपनियों और उनके ग्राहकों के बीच की बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। इनके बिना कोई भी कंपनी अपना व्यवसाय फैला नहीं सकती।

गला काट प्रतिस्पर्धा के इस दौर में बाजार में टिके रहने के लिए कंपनियां विपणन नीति का सहारा ले रही हैं। इससे दवा कंपनियां भी अछूती नहीं हैं। भूमंडलीकरण ने इस प्रतिस्पर्धा को और बढ़ा दिया है। जैसे-जैसे मल्टी नेशनल कंपनियां भारतीय दवा बाजार में पैर फैला रही हैं वैसे-वैसे हर कंपनी आक्रामक विपणन नीति का सहारा ले रही है। इसके लिए दवा कंपनियां मेडिकल रिप्रिजेंटिव की नियुक्ति करती हैं जो चिकित्सक, दवा कंपनियों और उनके ग्राहकों के बीच की बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। इनके बिना कोई भी कंपनी अपना व्यवसाय फैला नहीं सकती। लिहाजा इस क्षेत्र में भी रोजगार के बेहतर अवसर खुल रहे हैं।

मेडिकल रिप्रिजेंटिव के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के इच्छुक अभ्यार्थी को विज्ञान स्नातक होना आवश्यक है। लेकिन फार्मेसी में डिग्री और डिप्लोमाधारी अभ्यर्थी को सभी दवा कंपनी प्राथमिकता देती हैं। हालांकि इस क्षेत्र में सफलता हासिल करने के लिए डिग्री से ज्यादा धैर्य, लगन तथा वाकपटुता की जरूरत होती है। इसके साथ ही आकर्षक व्यक्तित्व, बातचीत से दूसरे को प्रभावित करने की क्षमता और सकारात्मक सोच का होना भी जरूरी है।

एक मेडिकल रिप्रिजेंटिव यानी एमआर का काम मेडिकल व्यवसाय से जुड़े, व्यवसायियों, चिकित्सकों से संपर्क कर अपनी कंपनी द्वारा उत्पादित दवाओं की गुणवत्ता बताना होता है। उन्हें इस तरह समझाना होता है कि चिकित्सक रोगियों को उन्हीं की कंपनी की दवा लिखे। एक एमआर को अपनी कंपनी की उत्पादित तमाम दवाओं की जानकारी रखना होता है और चिकित्सकों और व्यवसायियों को बताना होता है। यानी वह कंपनी और व्यवसायियों के बीच एक पुल का काम करता है। एक तरह से उसके कंधे पर कंपनी की सफलता की पूरा दारोमदार टिका हुआ है।

एक एमआर को वेतन उसकी योग्यता और कंपनी के स्तर के आधार पर मिलता है। शुरुआत में एक एमआर को 5 से लेकर 15 हजार रुपए तक मिलते हैं। इसके अलावा वाहन, यात्रा भत्ता, हाउसिंग और सुविधाएं अलग से मिलती हैं। देश के कई संस्थानों में मेडिकल प्रशिक्षण और फार्मा मार्केटिंग मैनेजमेंट, बैचलर ऑफ फार्मेसी और डिप्लोमा इन फॉर्मेसी के कोर्स कराए जाते हैं। इनमें से कुछ प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं-

- हमदर्द कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मदनगीर, दिल्ली।
- कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, पुष्प विहार, महरौली, दिल्ली।
- महिला पॉलीटेक्निक, महारानीबाग, नई दिल्ली।
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- बॉम्बे कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मुंबई, महाराष्ट्र।
- बिहार कॉलेज ऑफ फार्मेसी, अनिसाबाद, पटना, बिहार।

सफलता का आईना हो आपका रिज्यूमे

नौकरी प्राप्त करने का पहला कदम रिज्यूमे प्रेषित करना होता है। आपका रिज्यूमे आपकी सफलता का आईना हो, जिसमें सब कुछ स्पष्ट दिखे। वह केवल आपकी सफलता ही नहीं, बल्कि आपके कार्य-इतिहास के बारे में भी सब कुछ कहे, ताकि नियोक्ता को कहीं कोई शंका न रह जाए।

आज के प्रतिस्पर्धा भरे माहौल में आपको दूसरों से अलग बनाती हैं आपकी सफलताएं। यहां हम आपको कुछ टिप्स बता रहे हैं, ताकि आपके रिज्यूमे में आपकी सफलताएं भली-भांति प्रदर्शित हों। जहां प्रतिस्पर्धा बहुत ज्यादा बढ़ चुकी है, वहां केवल योग्यता और कार्यानुभव के दम पर अच्छी नौकरी पाना आसान नहीं है। ऐसे में आपकी छोटी-बड़ी सफलताएं ही हैं, जो आपको अन्य लोगों से आगे रखती हैं। आप किसी कंपनी के लिए कितने तरीके से लाभदायी सिद्ध हो सकते हैं, इस बात को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और इसे बताने के लिए जरूरी है कि आपका रिज्यूमे बेहतरीन तरीके से तैयार किया जाए, जो आपको साधारण आवेदक की श्रेणी से विशेष की श्रेणी में पहुंचाएगा।

उत्तरदायित्वों को पेश करें

अपना रिज्यूमे तैयार करने का एक बढ़िया तरीका है कि आप शब्दों का चयन चतुराई से करें। यहां तक कि जब आप अपने कार्य उत्तरदायित्वों की बात करें तो उन्हें ऐसे पेश करें कि वे आपकी सफलताएं नजर आएं। मिसाल के तौर पर..

पहले- उत्तरी क्षेत्र में सेल्स की जिम्मेदारी।

अब- समूचे उत्तरी क्षेत्र के सेल्स प्रमुख।

देखिए कैसे 'जिम्मेदारी' की जगह 'प्रमुख' क्रिया का इस्तेमाल करते ही रिज्यूमे आपकी जो छवि बनाता है, उसमें कितना अंतर दिखाई देने लगा है। अगर एक रिज्यूमे में सिर्फ आपके उत्तरदायित्वों का ही जिक्र होता है तो किसी भी कंपनी को यह बिल्कुल समझ में नहीं आता कि आप असल में करते क्या थे! साथ में उन्हें बमुश्किल ही पता चल पाता है कि आप उनके लिए क्या कर सकते हैं। इस बात का खास ख्याल रखें कि अपनी रोजमर्रा की जिम्मेदारियों को बताने के लिए दमदार क्रिया-शब्दों जैसे लेड, इनीशिएटेड, स्पीयरहेडेड, कंट्रोल्ड, एक्सेलरेटेड, अटेंड, कॉन्सेप्चुलाइज्ड, कंडक्टेड, डिवाइस्ड, डायरेक्टेड, ड्राफ्टेड, एक्जीक्युटेड, एन्हैंस्ड, एस्टेब्लिश्ड आदि का इस्तेमाल करें। इन शब्दों के माध्यम से आपकी छवि एक सक्रिय कर्मचारी की बनेगी और कंपनी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। जब आप यह कहेंगे कि आपको क्या हासिल हुआ, बजाए इसके कि आप क्या संभालते थे तो आपकी छवि एक उत्तरदायी और पहल करने वाले कर्मचारी के रूप में बनेगी, न कि सिर्फ ऐसे व्यक्ति के रूप में, जो केवल दिया हुआ काम ही पूरा करता है।

जिम्मेदारियों के बारे में बताएं

किसी कंपनी को यह बताना भी बेहद महत्वपूर्ण है कि आप अपने काम को कितने अच्छे तरीके से संभालते हैं। इसके लिए भी आपको 'रिस्पॉन्सिबल फॉर' से कुछ अधिक कहना होगा, जैसे..

पहले- कंपनी में एमआईएस इंटरफेस की जिम्मेदारी।

अब- नए मार्केट्स की तलाश और क्लाइंट्स को बेहतर सेवा देने के लिए एमआईएस के साथ तकनीकी तरक्की के लिए कार्य (इंटरफेस)।

पहले जो रिज्यूमे में लिखा गया है, उससे कंपनी के दिमाग में यह बात स्पष्ट नहीं होती कि आप कितने प्रभावी तरीके से अपनी जिम्मेदारी संभाल रहे थे, वहीं दूसरे मामले में 'इंटरफेस' शब्द ने आपको एक सक्रिय आवेदक के रूप में प्रस्तुत किया है। इस तरह किसी भी कार्य के साथ जुड़ने ने यह दिखा दिया है कि आपका इसमें क्या योगदान रहा और यही आपकी सफलता भी है। साथ ही इससे कंपनी को यह भी समझ में आ गया कि भविष्य में आप किस प्रकार से उन्हें योगदान दे सकते हैं। दरअसल हम एक बेसिक रिज्यूमे में अपने संपर्क की जानकारी, अपना उद्देश्य, अपने बारे में जानकारी, कार्यानुभव, अतिरिक्त गतिविधियां और दूसरी जानकारी देने में काफी जल्दबाजी करते हैं। हम अक्सर ऐसी जगह आकर रुक जाते हैं, जहां हमें वास्तव में अपनी वर्तमान कंपनी में अपने योगदान का जिक्र करना चाहिए।

एक दमदार रिज्यूमे का मुख्य तत्व 'प्रमाण' होता है। प्रमाण इस बात का कि आपने रिज्यूमे में जो कुछ भी कहा है, आप उसकी इज्जत रखेंगे - और यह प्रमाण आपके वाइटल स्टेटस में होता है, जिसमें तथ्य व आंकड़े या परिणाम दर्शाने वाले कथन होते हैं। ये सब आपके वर्तमान कार्य को दर्शाते हैं व आपको एक सफल व कार्य करने के इच्छुक कर्मी के रूप में साबित करते हैं।

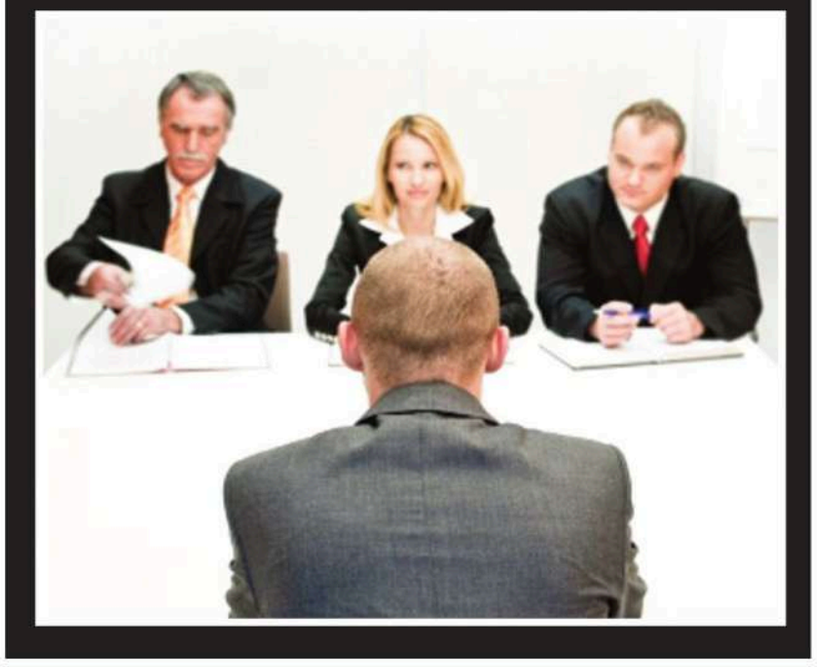

जब भटक जाए करियर प्लान

कॉलेज डिग्री के बाद आप कॉर्पोरेट जगत में अपना प्रोफेशनल जीवन शुरू करते हैं। इसके लिए आप इंटरव्यू की तैयारियां भी पूरे मनोयोग से करते हैं, जहां 'आप पांच वर्ष में खुद को कहा देखते हैं?' जैसे प्रश्नों की आप खास तैयारी करते हैं। लेकिन पांच या दस वर्ष बाद आपकी महत्वाकांक्षाएं कितनी पूरी हो पाती हैं? क्या आप अपनी प्रगति से संतुष्ट होते हैं या आपको लगता कि यदि एक और मौका मिले तो आप अपने प्रयास कुछ अलग तरीके से करना चाहेंगे ? जब करियर लक्ष्य पूरे न हों तो निराशा होनी स्वाभाविक होती है; फिर जरूरी हो जाता है कि आप अपनी मौजूदा स्थिति का आकलन करें और करियर ग्राफ को ऊपर ले जाने के लिए भावी योजना की रूपरेखा एक बार फिर तैयार करें।

निराशा से जूझना - क्या शुरुआत में वह नौकरी आपके हाथ से निकल गई थी जिसे आप सचमुच प्राप्त करना चाहते थे, और क्या आपका मौजूदा कार्य आपको तरक्की करने के पूरे मौके नहीं दे रहा और क्या कोई नया ऑफर भी आपकी ओर नहीं आ रहा, या फिर कई नौकरियां बदलने के बावजूद आप वहां नहीं पहुंच पा रहे जहां पहुंचने की आपने उम्मीद की थी, और इन सबके अलावा अर्थव्यवस्था का कठिन दौर भी आपके खिलाफ जा रहा है?

कई बार आपके सच्चे प्रयासों के बाद भी परिस्थितियां शुरू से ही आपके विपरीत रहती हैं। फिर भी, यहां यह ध्यान रखना होगा कि आप जो रास्ता पार कर चुके हैं, उस पर आप वापस तो नहीं जा सकते, लेकिन भविष्य की तैयारी अपने अनुसार जरूर कर सकते हैं।

पुनःप्रयास - तो यदि आपको लगता है कि आपके करियर चार्ट में कुछ कमी है तो उसका सही **आकलन करें** - क्या यह वह बुनियादी हुनर है जिसकी कमी से आप बड़ी परियोजनाओं का हिस्सा नहीं बन पा रहे हैं या कोई सॉफ्ट स्किल है जो महत्वपूर्ण कार्य संबंधों को आपसे दूर रख रहा है? इसके बाद, उपरोक्त कमियों को दूर करने के लिए जरूरी प्रशिक्षण के बाद की परिस्थितियों का भी आकलन करें। यह भी जरूरी है कि आप अपने करियर के मौजूदा दौर में प्रशिक्षण की महत्ता को समझें।

फोकस बदलें - आपने अपनी सारी ऊर्जा एक ही दिशा में लगा दी थीं, परंतु वह आपके काम नहीं आई। तो अब समय आ गया है कि आप आगे बढ़ें और अन्य दिशाओं में अपने प्रयास शुरू कर दें। इसका मतलब करियर की दिशा में परिवर्तन नहीं होता, बल्कि मौजूदा कार्य के साथ नई जिम्मेदारियां उठाना, जिनमें आपको कुछ नए हुनर सीखने की जरूरत हो। याद रखें कई बार विपरीत परिस्थितियों में नए अवसर छुपे होते हैं; एक अदद निराशा को अपने समूचे करियर को नुकसान न पहुंचाने दें।

खुद पर भरोसा - दुविधा के समय अपने निर्णयों पर सवाल करना अक्सर एक प्राकृतिक क्रिया होती है; परंतु जरूरी है कि अपनी सोच और क्षमताओं पर विश्वास डगमगाना नहीं चाहिए। गलत नौकरी या विपरीत परिस्थितियों का शिकार होना ही आपके बारे में नहीं बताता। इसलिए, अपनी जमीन पर जमें रहें।

कैसे पाएं प्रोमोशन

फर्ज करें आपके बॉस, आपके बॉस के बॉस और अन्य कंपनी एग्जीक्यूटिव्स एक साथ बैठकर आपके बारे में विचार कर रहे हों। इस दौरान वह आपके कार्य चरित्र, आपकी लीडरशिप क्वालिटीज, आपके प्रोजेक्ट्स, आपके अधीनस्थों, आपके द्वारा प्राप्त नतीजों और गत वर्ष के दौरान आपकी परफॉरमेंस के बारे में चर्चा करते हैं। यह समिति एक बहुत महत्वपूर्ण नतीजा लेती है- आपको तरक्की मिलनी चाहिए या नहीं ? बेशक आपके संस्थान में इस कार्य से जुड़ा कोई अनौपचारिक तरीका न हो, लेकिन इस तरह की प्रक्रिया कमोबेश प्रत्येक छोटी या बड़ी कंपनी में होती है। दरअसल, इस प्रक्रिया के दौरान कुछ ऐसा होता है- प्रत्येक मैनेजर अपनी पसंद के प्रत्याशी को तरक्की प्राप्त करने के सबसे बड़े उम्मीदवार के तौर पर पेश करता है। उस समय समिति के अन्य सदस्य यह जानना चाहते हैं कि ऐसा क्यों है।

इसलिए ऐसे समय आपको एक ऐसे मैनेजर का सहयोग होना चाहिए जो आपके बारे में सही छवि पेश कर सके। आपके मैनेजर के साथ अन्य ऐसे मैनेजर्स और एग्जीक्यूटिव्ज भी होंगे जिन्होंने आपके साथ काम किया है, वह भी अपने विचार रखेंगे। इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि वह आपका सकारात्मक और असरकारी रूप सामने रखें। जाहिर है जब प्रत्येक मैनेजर अपने प्रत्याशी के पक्ष में बात सामने रखेगा, उस समय प्रतिस्पर्धा बहुत सख्त हो जाएगी। प्रत्याशियों की संभावी तरक्की के बारे में अधिकारियों के बीच यह मंत्रणा ईमानदार और कड़वी भी हो सकती है। यदि आपको कोई पसंद नहीं करता, तो वह भी ऐसे समय स्पष्ट हो जाता है। कई बाद हालात उस समय सचमुच बिगड़ जाते हैं जब अपने प्रत्याशी को किसी भी कीमत पर तरक्की दिलाने पर उतारू कोई मैनेजर अन्य प्रत्याशियों की बढ़-चढ़ कर बुराइयां करने लगता है। तो तरक्की पाने का आपका मौका तब अधिक होता है जब आपको -

- हाई परफॉरमेंस रिव्यूज मिले हों।
- आपने दिए गए सभी लक्ष्य प्राप्त कर लिए हों।
- आपने भावी सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने की शुरुआत कर दी हो।
- आपने टीम के कार्य पूरे कर दिए हों।
- कंपनी को बचत करने की विधि बताई हो।
- अतिरिक्त कार्यों की जिम्मेदारी ली हो।
- नए संबंध स्थापित किए हों।
- कार्य के दौरान ज्यादा देर तक काम किया हो।

परंतु कुछ बिंदु आपके खिलाफ भी जा सकते हैं यदि -

- समिति में सब आपको, आपके कार्य और उपलब्धियों से परिचित न हों।
- मंत्रणा के दौरान यदि ज्यादा लोगों ने आपके पक्ष में न बोला हो।
- आप दफ्तर की राजनीति से दूर रहते हों यानी आप समूचे 'खेल का हिस्सा' न हों।
- आपने दिए गए कार्य से अतिरिक्त कुछ और न किया हो।
- यदि नीति निर्धारक आपसे प्रभावित न हों और कम ही लोग आपके पक्ष में बात रख रहे हों।

यदि प्रोमोशन नहीं मिलती तब?

यदि ऐसा होता है तो तुरत-फुरत अपने रिज्यूमे अन्य स्थानों को भेजने न शुरू कर दें। इससे अनुभव लें और अगली बार के लिए तैयार रहें। कुछ उपाय-

बॉस से सही फीडबैक लें

प्रोमोशन से जुड़ी मीटिंग की अधिकाधिक जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करें। आपके बॉस बेशक ऐसे समय कुछ बातें आपको नहीं बताएं, परंतु फिर भी वह बिना नाम लिए जरूरी जानकारी आपको दे सकते हैं।

अपनी कमियों को भी जाहिर करें

रक्षात्मक न बनें। अपनी कमियों को दूर करने के लिए अपने बॉस के साथ काम करें। उदाहरण के लिए, यदि वरिष्ठ समूह कहता है कि आप वित्तीय मामलों में अधिक मजबूत नहीं हैं, तो कहें कि आप इस विषय में प्रशिक्षण लेने को तैयार हैं।

अगली मीटिंग का इंतजार न करें

यह कभी न सोचें कि आपका कार्य अपनी पहचान खुद बनेगा। आपका लक्ष्य होना चाहिए कि मीटिंग रूम में सब को आपकी उपलब्धियों का पहले से पता हो। इसके लिए कंपनी के हित में आपके कार्य के बारे में नीति निर्माताओं को समझाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करें।

तरक्की प्राप्त करने से जुड़े तीन उपाय

चूंकि अब आप जानते हैं कि इस दौरान 'खेल' खेला जाता है, तो प्रोमोशन प्राप्त करने से जुड़े कुछ उपाय जानिए।

बॉस को करें तैयार

इस बात पर ध्यान दें कि आपके बॉस के पास आपकी उपलब्धियों से जुड़ी सभी जानकारी दस्तावेजों के रूप में मौजूद हो।

बॉस को सहयोग दें

ऐसे कुछ बिंदुओं को तैयार करें जो बताएं कि आप क्यों आदर्श प्रत्याशी हैं। इन बिंदुओं के साथ अत्य तथ्यात्मक जानकारी भी दें जो कंपनी के हित से जुड़ी हो। कुछ बड़े ग्राहकों या उपभोक्ताओं से प्राप्त प्रशंसा पत्र आदि भी साथ रखें।

अन्य लोगों की प्रतिक्रियाओं का पूर्वानुमान

अपने सहयोगियों का लाभ लें और विरोधियों द्वारा संभावी नुकसान का आकलन करें। अपने बॉस को यह भी सूचना दें कि आपने मंत्रणा कक्ष में मौजूद लोगों की किस तरह मदद की थी। यदि कुछ विरोधी तत्व आपकी नजर में हैं तो उनकी जानकारी भी बॉस को दें। उनसे आपके बॉस कैसे निपटें, इस पर विचार किया जाना जरूरी होता है।

अप्रेजल का समय आने को है। इसके बहाने आप अपने कार्य की समीक्षा स्वयं भी कर सकते हैं। तो शुरुआत कीजिए इस कार्य की जो आपको इस वर्ष तरक्की के मार्ग पर आगे बढ़ाने जा रहा है। बता रहे हैं जोल गार्फिकल

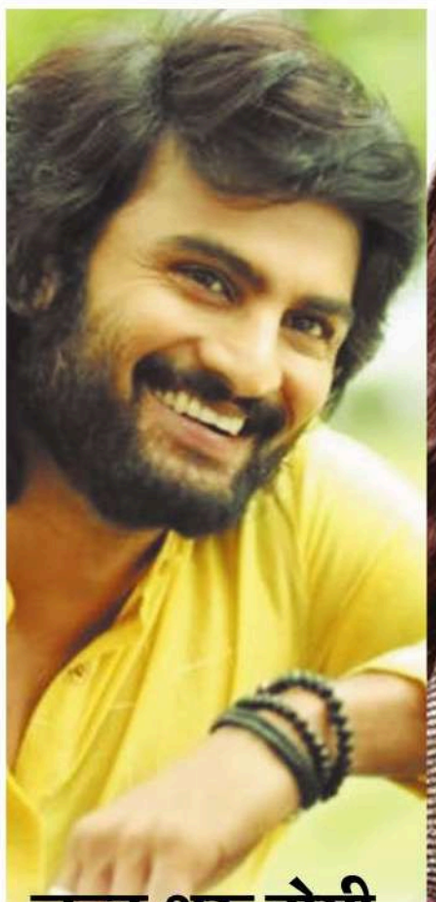

जल्द शुरू होगी सुधीर बाबू की सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म जटाधरा की शूटिंग

सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्मजटाधरा की शूटिंग पर जानकारी सामने आई है। यह मूल रूप से तेलुगु फिल्म है, जिसे पैन इंडिया स्तर पर रिलीज किया जाएगा। इसमें सुधीर बाबू मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने जा रही है। जी स्टूडियोज ने पोस्ट साझा कर बताया है कि शूटिंग अगले महीने यानी फरवरी से शुरू होगी।

प्राचीन रहस्यों से उठेगा परदा

फिल्मजटाधरा की शूटिंग के लिए सेट हैदराबाद में सजेगा। आज इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए पोस्ट में यह जानकारी है। दरअसल, मेकर्स ने फिल्म के तीन पोस्टर शेयर किए हैं। यह हिंदी, अंग्रेजी और तेलुगु भाषाओं में हैं। इसके साथ लिखा है,इंतजार खत्म हुआ! एक खजाना खोजना है, एक अभिशाप से लड़ना है। इस सुपरनैचुरल थ्रिलर में मिथक और रहस्य मिलते हैं। फिल्म में सुधीर बाबू नजर आएंगे। शूटिंग फरवरी से शुरू होगी।

रवीना टंडन के नजर आने की खबर

मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा कहा जा रहा है कि इस फिल्म में अभिनेत्री रवीना टंडन भी नजर आएंगी। रवीना टंडन की दक्षिण भारतीय फिल्मों की बात करें तो उन्हें यश स्टारर केजीएफ- चैप्टर 2 में भी देखा गया था, जिसमें वो नेता के रोल में नजर आई थीं। कहा जा रहा है किजटाधरा में रवीना टंडन नेगेटिव भूमिका में नजर आएंगी।

शिविन नारंग करेंगे निर्देशन

फिल्मजटाधरा का पोस्टर बीते वर्ष अगस्त में जारी किया गया था। अब फिल्म की शूटिंग पर अपडेट आ गया है। इस फिल्म का निर्देशन शिविन नारंग कर रहे हैं। यह एक पैन-इंडिया फिल्म है। इसका निर्माण प्रेरणा अरोड़ा कर रही हैं, जो इससे पहले परी, रूस्तम, पैडमैन और टॉयलेट- एक प्रेम कथा को भी बना चुकी हैं।

प्लास्टिक सर्जरी को गलत नहीं मानती हैं खुशी कपूर

लवयापा में नजर आने वाली अभिनेत्री खुशी कपूर ने अपने चेहरे की सर्जरी को लेकर हो रही बातों पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि पहले उन्हें इस बारे में बात करने से डर लगता था लेकिन अब वे कॉस्मेटिक सर्जरी के बारे में ज्यादा खुलकर बात करती हैं। उन्हें लगता है कि ऐसा करना कोई बहुत बड़ी बात नहीं है।

लोगों से नफरत मिलने का था डर

कर्ली टेल्स को दिए इंटरव्यू में खुशी कपूर ने कहा कि लोगों से नफरत मिलने के डर से पहले में इस बात को मानने में डरती थी। हालांकि, खुशी को अब लगता है कि सर्जरी करवाना कोई अपराध नहीं है और अगर कोई व्यक्ति ऐसा कुछ करता भी है तो ये कोई गलत बात है।

नाक और होठ की करवाई सर्जरी

खुशी ने कहा कि लोगों को लगता है कि मैंने ऐसा किया। हां, लेकिन ये पूरी तरह से खूबसूरत लगता है। उन्होंने माना कि उन्होंने अपनी फिल्मी शुरुआत से पहले नाक की सर्जरी और होंठों में फिलर करवाया था। खुशी जल्द ही जुनैद खान के साथ फिल्म लवयापा में नजर आने वाली हैं।

दिल्ली के लड़के का निभाया है किरदार

फिल्म में उन्होंने एक स्थानीय दिल्ली के लड़के का किरदार निभाना था। इसके लिए उन्होंने दिल्ली की गलियों में समय बिताया। उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत की और उनके हाव-भाव और बोलचाल की भाषा को आत्मसात किया। जुनैद ने न केवल दिल्ली की बोली को समझा, बल्कि शहर के अलग-अलग हिस्सों में जाकर उनके रहने के तरीके को भी महसूस किया।

फरवरी में रिलीज होगी फिल्म

फिल्म 7 फरवरी को रिलीज होने जा रही है। इसकी रिलीज से पहले एक दिलचस्प जानकारी सामने आई है। कई समाचार पोर्टल में छपी खबरों की मानें तो इस फिल्म के लिए जुनैद ने काफी ज्यादा मेहनत की है। खुशी के फैंस भी उन्हें बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेताब हैं।

डेटिंग की खबरों पर रश्मिका ने लगाई मुहर

रश्मिका मंदाना अगली बार लक्ष्मण उतेकर की पीरियड ड्रामा फिल्म छावा में नजर आएंगी। वह फिल्म के प्रचार में व्यस्त हैं, इस दौरान उन्होंने हाल ही में में अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी बड़ी जानकारी दी। अभिनेत्री ने एक इंटरव्यू के दौरान रिलेशनशिप में होने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा है कि वह प्यार में हैं। हालांकि, उन्होंने अपने पार्टनर का नाम बताने से परहेज किया, वहीं अब उनके डेटिंग पार्टनर पर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। रश्मिका के बारे में खबरें है कि वह अपने डियर कॉमरेड को-स्टार विजय देवरकोंडा के साथ रिलेशनशिप में हैं। अभिनेत्री ने अपने हैप्पी प्लेस के बारे में बात की, वहां उन्होंने बताया कि वह एक पार्टनर हैं।

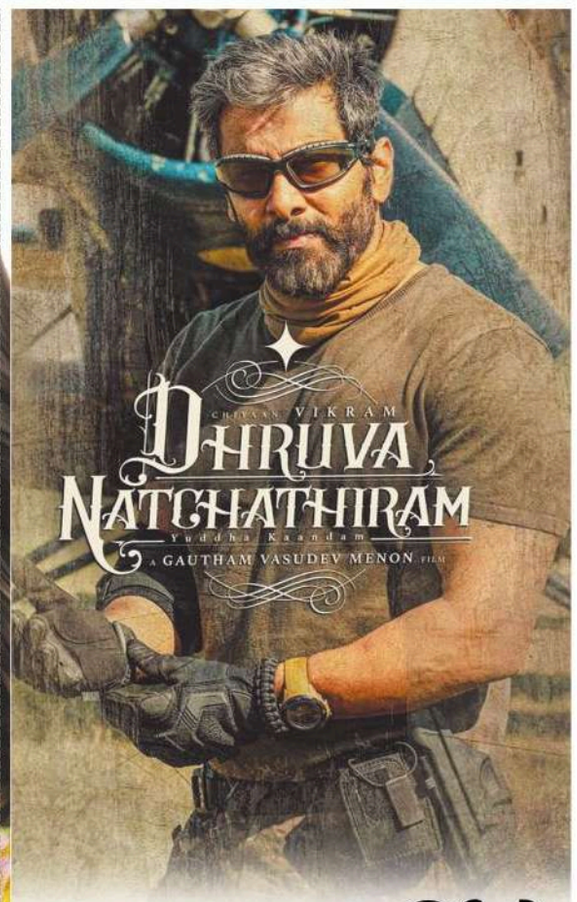

इस साल गर्मियों में रिलीज होगी विक्रम की ध्रुव नचतिरम

साउथ अभिनेता चियान विक्रम इन दिनों अपनी आगामी फिल्मध्रुव नचतिरम को लेकर फिर से सुर्खियों में है। वहीं फिल्म के निर्देशक गौतम वासुदेव मेनन ने एक रोमांच जानकारी से प्रशंसकों को खुश कर दिया है। विक्रम साउथ सिनेमा के दिग्गज निर्देशक मणिरणत्नम की फिल्म पोन्नियिन सेल्वन में ऐश्वर्या राय बच्चन के साथ अहम भूमिका से सभी का दिल जीत चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में एक इंटरव्यू में मेनन ने घोषणा की कि ध्रुव नचतिरम गर्मियों में रिलीज के लिए तैयार है। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ध्रुव नचतिरम 24 मार्च 2025 को रिलीज हो सकती है।

फिल्म ध्रुव नचतिरम की स्टार कास्ट

फिल्म ध्रुव नचतिरम में रितु वर्मा को विक्रम की प्रेमिका के रूप में दिखाया गया है। ध्रुव नचतिरम एक लंबे समय से प्रतीक्षित तमिल फिल्म है, जिसकी रिलीज का प्रशंसक इंतजार कर रहे हैं। गौतम वासुदेव मेनन द्वारा लिखित और निर्देशित इस एक्शन थ्रिलर फिल्म में विक्रम और रितु वर्मा के अलावा ऐश्वर्या राजेश, राधिका सरथकुमार, अर्जुन दास, सिमरन, डीडी, आर. पार्थिबन और कई कलाकार नजर आएंगे। वहीं ध्रुव नचतिरम का हैरिस जयराज नेध्रुव नचतिरम का संगीत तैयार किया है। ध्रुव नचतिरम ओन्ड्रागा एंटरटेनमेंट, कोंडाडुवोम एंटरटेनमेंट और एस्केप आर्टिस्ट मोशन पिक्चर्स का संयुक्त प्रोडक्शन है।

फिल्म की कहानी

ध्रुव नचतिरम एक जासूसी एक्शन थ्रिलर है, जिसमें कहानी जॉन (विक्रम) के इर्द-गिर्द घूमती नजर आएगी, जो न्यूयॉर्क में स्थित एक अंडरकवर एजेंट है। वह और उसकी टीम एक गुप्त ऑपरेशन में शामिल हैं, जिसका नेतृत्व मिस्टर के नाम के एक आदमी कर रहा है। जॉन और उनकी टीम तब हरकत में आती है जब बुरे लोग मिस्टर के को पकड़ लेते हैं, और उन्हें अंधेरे में छोड़ देते हैं। हमले के पीछे संगठन का मकसद क्या है?

यह रोमांस को लेकर क्या बोल गईं पूजा हेगड़े

पूजा हेगड़े ने कुछ ही देर पहले अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों के साथ पूजा ने कैप्शन में लिखा, बस थोड़ा सा रोमांस ही काफी है। पूजा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म देवा को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। देवा में पूजा के साथ शाहिद कपूर नजर आएंगे। देवा के अलावा पूजा दलपति विजय की 69वीं फिल्म जन नायकन में नजर आएंगी। पूजा के इंस्टाग्राम पर 27.5 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

मनोज बाजपेयी की फैमिली मैन 3 में नजर आ सकते हैं जयदीप अहलावत

जयदीप अहलावत की पाताल लोक के दूसरे सीजन की धमाकेदार वापसी के बाद दर्शक मनोज बाजपेयी की द फैमिली मैन के नए सीजन की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच खबर है कि दोनों अभिनेता इस सीरीज में साथ काम करते नजर आ सकते हैं।

जयदीप के किरदार को लेकर हुई बात फिल्म फेयर की एक रिपोर्ट के मुताबिक जयदीप फैमिली मैन 3 में मनोज बाजपेयी के दुश्मन की भूमिका निभा सकते हैं। शो से जुड़े एक सूत्र ने प्रकाशन को बताया, द फैमिली मैन सीजन 3 में जयदीप की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। खबरों की मानें तो उनका किरदार मनोज बाजपेयी के श्रीकांत के खिलाफ होगा और दर्शकों को स्क्रीन के इन दो दिग्गजों को एक-दूसरे से दुश्मनी निभाते नजर आ सकते हैं।

पाताल लोक 2 को मिल रही तारीफ जयदीप अहलावत को उनकी सीरीज पाताल लोक 3 को लिए चार साल के इंतजार के बाद जयदीप अहलावत पाताल लोक सीजन 2 में हाथी राम चौधरी के रूप में दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए वापस आ गए हैं। निर्माताओं ने हाल ही में जयदीप अहलावत के एक दिलचस्प पोस्टर के साथ नए सीजन की। इससे पहले एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि राज और डीके द फैमिली मैन सीजन 4 को साइन करेंगे। एक सूत्र के हवाले से कहा गया था कि तीसरे सीजन की शूटिंग चल रही है, वहीं चौथे सीजन के साथ सीरीज को साइन करने के बारे में चर्चा हुई है।

'कृष 4' में देरी पर राकेश रोशन, नहीं चाहता लोग मुझे फ्लॉप निर्देशक के तौर पर याद रखें

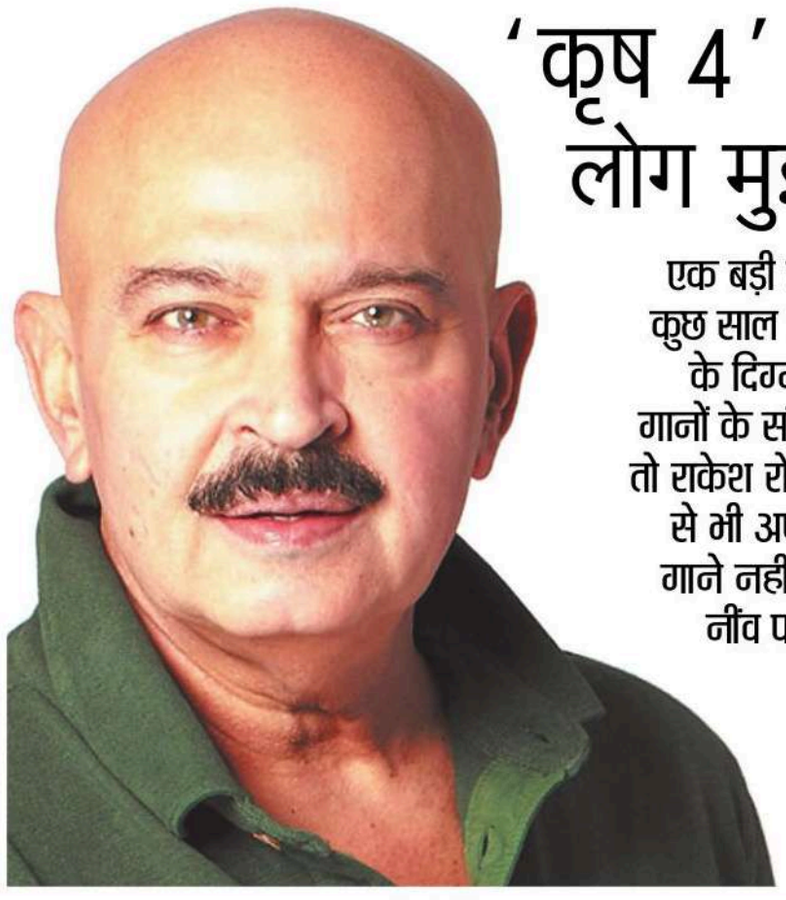

एक बड़ी म्यूजिक कंपनी ने कुछ साल पहले हिंदी सिनेमा के दिग्गज संगीतकारों के गानों के संग्रह प्रकाशित किए तो राकेश रोशन को उसमें ढूंढे से भी अपने पिता रोशन के गाने नहीं मिले। बस वहीं से नींव पड़ी नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'द रोशन्स' की।

हिंदी सिनेमा को अपने संगीत, अपने निर्देशन और अपने अभिनय से रौशन करने वाले रोशन परिवार के दीये आज तक सबसे तेज जगमगा रहे हैं। आपको इस शब्द की या इस नाम की अहमियत पहली बार कब समझ आई?

मेरा असली नाम राकेश नागरथ है। मेरी पढ़ाई इसी नाम से हुई। तमाम सरकारी कागजात पर अब भी मेरा यही नाम है। ये उन दिनों की बात है जब मै फिल्मों में सहायक निर्देशक का काम तलाश रहा था। नाज सिनेमा बिल्डिंग में सारे निर्माताओं के दफ्तर हुआ करते थे और मैं वहां काम मांगने जाता तो दफ्तर के कर्मचारियों से कहता कि साहब को बोलो, रोशन साब के बेटे आए हैं मिलने। लोग मुझे बुलाते। कुर्सी से खड़े होकर हाथ मिलाते। बड़ा सम्मान देते। इस नाम की मैंने इतनी महत्ता देखी तो इसे अपने नाम के साथ जोड़ लिया।

ये बीते छह दशक जो बिना पिता के आपके बीते हैं, उनका संघर्ष कितनी बड़ी चुनौती रही आपके लिए?

संघर्ष तो अब भी है। बीते 70 साल से चला आ रहा है। आगे भी चलता ही रहेगा। जीवन में संघर्ष निरंतर है। अभी बात होती है क्या बनाऊं? 'कृष 4' की बात होती है तो उसको भी बनाने पर बात होती है कि लोगों को पसंद आएगी कि नहीं, आएगी। तो चुनौती तो है, वही जीवन है। 18 फिल्में बना चुके निर्माता राकेश रोशन के लिए क्या चुनौती हो सकती है? क्या ये चुनौती निर्देशक राकेश रोशन की फिल्म के 1000-1500 करोड़ रुपये कमाने की है?

हमें पैसे कमाने के लिए फिल्म नहीं बनाना है। ऐसा हम कभी नहीं करेंगे। हमारा डर ये है कि लोग हमें कैसे याद करेंगे? हमने 15-16 फिल्में बनाई हैं। एक निर्देशक को लोग उसकी आखिरी फिल्म से याद करते हैं। मैं नहीं चाहता कि लोग मुझे एक फ्लॉप फिल्म के निर्देशक के रूप मे याद करें। आपके पिता रोशन की संगीतबद्ध फिल्म 'सूरत और सीरत' के गाने 'बहुत दिया देने वाले ने तुझको' के पहले जो बांसुरी बजती है, वही आपकी फिल्म 'करण अर्जुन' के गाने 'ये बंधन तो प्यार का बंधन है' की धुन बनी है।

आपको संगीत से कितना लगाव है? कभी आपने भी कोई गाना लिखा या कंपोज किया?

'सूरत और सीरत' के गाने की जहां तक बात है, ये राजेश को पता होगा। मुझे नहीं लगता कि हमने 'सूरत और सीरत' फिल्म के किसी गाने से कोई धुन ली होगी। संगीत की बात करें तो हां, मैं गिटार बजाता हूं। पियानो बजाता हूं। फिल्मों का संगीत तो हम सब मिलकर ही तैयार करते हैं। लेकिन, अगर किसी एक गाने की ही बात करूं तो 'प्यार की कश्ती में' की धुन मेरी बनाई हुई है। ये गाना भी मेरा लिखा हुआ है।

संगीतकार रोशन के गानों में अध्यात्म का बहुत गहरा असर दिखता है। इसके बारे में क्या कहेंगे?

हमने हमेशा पारिवारिक फिल्में बनाई। ऐसी फिल्में जिन्हें पूरा परिवार साथ बैठकर देख सके। मैंने कभी कोई ओछी पिक्चर नहीं बनाई। हमारे गानों में एक बात होती है और हम इस पर शुरू से कायम रहे। अच्छे बोलों के साथ ही गाने बनाए। राजेश ने भी अच्छे बोलों के साथ ही गाने बनाए।

और, इस वेब सीरीज 'द रोशन्स' को बनाने का मकसद क्या रहा?

ये सीरीज हमने अपनी तारीफ के लिए कतई नहीं बनाई है। हमने इस सीरीज में ये बताने की कोशिश की है, हमने तब से लेकर आज तक किस तरह के संघर्ष सिनेमा में देखे हैं। अगर सबसे तारीफ ही करानी होती तो फिर इस सीरीज को बनाने का कोई मतलब ही नहीं था।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक सम्पादक कृष्णा टेकड़ीवाल द्वारा डिजिटल अखबार कंकड़बाग पटना से प्रकाशित। समाचार पत्र में किसी भी समाचार व लेख-आलेख पर सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र पटना ही रहेगा। मोबाइल- 9801716267